डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 286 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 01 अगस्त 2025 | मूल्य 2 रुपया

सीबीएसई ने बीच सत्र में बदली किताबें..!

विद्यार्थियों और अभिभावकों की चिंता बढ़ी

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अब सीबीएसई विद्यालयो में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों को नई किताबें खरीदनी होंगी! क्योंकि, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल ने 5वीं-8वीं की संशोधित किताबें जारी कर दी हैं। चार माह से बच्चों को पुरानी किताबों से पढ़ाया जा रहा है। नई किताबों के लिए पढ़ाई सुनिश्चित कराने सीबीएसई ने सभी स्कूलों को निर्देश जारी किए हैं।

सिलेबस में हुआ संशोधन...

01 अप्रेल से नया सत्र शुरू हो चुका है। स्कूलों से मिले सिलेबस की सूची के आधार पर अभिभावकों ने किताबें खरीदी थी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दोनों कक्षाओं के सिलेबस में संशोधन किया गया है। अब इसके आधार पर ही पढ़ाई होगी।

दो सप्ताह बीत गये, मृतक का घाटा- मौसर हो गया पर, हत्या की गुत्थी नहीं सुलझी?

पुलिस की टीम नहीं कर पाई जांच पड़ताल, नाहरगढ़ थाना हो गया फैल...?

राजू सोनी

नाहरगढ, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नाहरगढ थाना के भरोसे कोई काम होना नहीं? थाने के जिम्मेदारों ने जनता के सामने अपनी विश्वसनीयता खत्म कर ली। किसी भी केस में अपनी कोई दिलचस्पी नहीं दिखाते। जबसे थाने की कमान श्री प्रभात गौड़ ने संभाली हुई है। तबसे नाहरगढ थाना क्षेत्र पूरी तरह सुरक्षा मामले में चौपट ही दिखाई दे रहा है। कहावत है कि अंधेर नगरी चौपट राजा और धरातल पर पुलिस व्यवस्था को लेकर यही हालात दिखाई पड़ रहे है?

हत्या कहानी अभी भी अनसुलझी...?

मृतक श्यामलाल धाकड़ पिता दौलतराम धाकड़ उम्र 45 वर्ष अपने घर की ऊपरी मंजिल पर एक कमरे में चारपाई पर खून से सनी हालत में मिली थी। जिसमें हत्या का जिक्र भी हो चुका। क्योंकि, हत्यारे ने धारदार हथियार से पांच वार किए थे.? मौके पर तमाम अधिकारी पहुंचे लेकिन, हासिल कुछ नहीं, हुआ। मृतक श्यामलाल धाकड़ का घाटा, बारहवा यानी (मोसर) भी हो चुका। किन्तु, हत्यारों तक पुलिस पहुंचने में नाकाम साबित हो रही है। कारण ऐसा क्या है.? ग्रामीण क्षेत्र की जनता को हत्या, अनसुलझी कहानी, कितना ओर इंतजार करना पड़ेगा, क्षेत्र की जनता जानना चाह रही.?

पुलिस अधीक्षक की पैनी नजर, हत्यारे बच पाएंगे या नहीं.?

नाहरगढ थाना क्षेत्र के गांव हिंगोरिया बड़ा में निर्ममतापूर्वक श्यामलाल धाकड़ की हत्या को लेकर मंदसौर पुलिस कप्तान अपनी ईमानदारी से पूरी तरह डटे हुए हैं। उन्होंने हत्या कांड का खुलासा करने को चुनौती माना है। ग्रामीण क्षेत्र की जनता को उन पर भरोसा हैं। जल्द से जल्द इस पूरे हत्याकांड का खुलासा करें। लेकिन, लोगों का यह भी कहना है कि मृतक का घाटा, मौसर हो चुका हैं। अब पुलिस हत्यारों का कानूनी रूप से मौसर कब करेगी.?

धाकड़ समाज से लेकर अन्य समाज हत्या का खुलासा नहीं होने नाराज...

इस पूरे हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने लिए पुलिस अपने स्तर, प्रयास कर रही। पर समाज यह जानना चाहता है। आखिर इस हत्याकांड लेकर जल्द से जल्द खुलासा क्यों नहीं हो रहा.? नाहरगढ थाना, ग्रामीण क्षेत्र परिवारों एक ही चर्चा, हत्या का खुलासा हुआ या नहीं.? पुलिस उन हत्यारों तक पहुंच पाई.? या नहीं ,चौपाल लेकर ,ग्रामीण क्षेत्र जनता आवाज सुनो, हत्याकांड कोई सुराग लगा या नहीं.? जांच पुलिस हाथों में है। उनकी रूपरेखा कानून रूप से क्या तैयार है.? आने वाला वक्त तय करेगा.? ग्रामीण क्षेत्र जनता की मुख से अलग-अलग चर्चाओं से बाजार गर्म है। आने वाले दिनों इस हत्याकांड लेकर क्या खुलासा, होता या नहीं.? जनता पुलिस की अग्नि परीक्षा ले रही है।

साइबर ठगों का नया पैंतरा... ई केवायसी के नाम पर बना रहे शिकार..!

ओटीपी बताते ही खाते से गायब हुए 20 हजार रुपए

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। लोगों के साथ धोखाधड़ी के लिए साइबर ठग लगातार नए-नए पैतरे आजमा रहे हैं। पहले मोबाइल नेटवर्क कंपनी की केवाईसी कराने के नाम पर कॉल करके ठग शिकार बना रहे थे। वहीं अब बैंक में ई केवायसी तो राशन की ई केवायसी के नाम पर लोगों को शिकार बनाया जा रहा है। साइबर ठगों को ढूंढने में पुलिस की साइबर सेल भी फिलहाल कमजोर नजर आ रही है। लेकिन, कहीं न कहीं जागरुकता का अभाव भी नजर आ रहा है। जिसके कारण लोग साइबर ठगों के शिकार बन रहे हैं। एक बार फिर एक व्यक्ति को साइबर ठगों ने शिकार बनाया। बैंक में ई केवायसी के नाम पर ओटीपी मांगी गई। इसके बाद खाते से 20 हजार रुपए से ज्यादा गायब हो गए। इस मामले में साइबर पुलिस को शिकायत दर्ज कराई गई है।

ऐसे लगाई 20 हजार की चपत...

मंदसौर के शिव शंकर शर्मा निवासी पटेल नगर के साथ धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। बैंक ईकेवायसी के लिए उनके पास मोबाईल नंबर 8509191657 से कॉल आया। जिसमें कॉल करने वाले ने अपना नाम नितीन कुमार बताया। उसने अपने आपको बैंक कर्मचारी बताकर ईकेवायसी अपडेट करने की बात की। इसकेबाद एक ओटीपी भेजा। जिसे बताने के लिए कहा गया। ओटीपी बताने के बाद कुछ ही देर में बैंक खाते से 20 हजार रुपए से ज्यादा रुपए डेबिट हो गए। इसके बाद दोबारा फिर से उसी नंबर से नितीन का कॉल आया। उसने फिर रुपए वापिस करने की बात कहीं और फिर से ओटीपी बताने के लिए कहा। जब उससे सवाल जवाब किए गए तो उसने कॉल काट दिया। इस मामले में साइबर पुलिस और बैंक दोनों ही जगहों पर शिकायत की गई है।

खाता बंद करने की देते हैं धमकी...

साइबर क्रिमिनल लगातार नए तरीके अपनाकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। साइबर क्राइम ब्रांच ने आमजन को केवाईसी विवरण अपडेट करने के नाम पर होने वाली साइबर धोखाधड़ी से सतर्क रहने की सलाह दी है। लोगों को फेक एसएमएस, ई-मेल या कॉल करते हैं। वे लोगों को डराते हैं कि अगर उन्होंने अपना केवाईसी अपडेट नहीं कराया तो उनका बैंक अकाउंट ब्लॉक कर दिया जाएगा। सभी लेनदेन रोक दिए जाएंगे। लोग घबराकर केवाईसी अपडेट करने का तरीका पूछते हैं तो ये क्रिमिनल उन्हें एक संदिग्ध मैलवेयर, एपीके फाइल डाउनलोड करने या अपना ओटीपी शेयर करने के लिए कहते हैं। इन निर्देशों का पालन करते ही आपकी सभी व्यक्तिगत और बैंकिंग जानकारी अपराधियों के हाथ लग जाती है। जिससे वह साइबर फ्रॉड का शिकार बनाते है।

कंपनी नहीं करती कॉल, जागरुक रहने की जरुरत...

साइबर ठग लोगों को मोबाइल नेटवर्क कंपनी का कर्मचारी या बैंक कर्मचारी या सरकारी कर्मचारी बनकर काल करते हैं। इसके बाद केवाईसी अपडेट करने की कहकर उनके मोबाइल पर एक लिंक भेजते हैं। इसमें मोबाइल में एक साफ्टवेयर डाउनलोड करने के लिए कहा जाता है। इसके बाद लोगों से ई-बैंकिग से 10 रुपये की ट्रांजेक्शन करने को कहा जाता है। इस प्रक्रिया के दौरान लोगों के खाते से संबंधित सारी जानकारी ठगों तक पहुंच जाती है और वे उनके खाते से सारी धनराशि उड़ा लेते हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार कोई भी बैंक या टेलीकाम कंपनी अपने ग्राहकों के बैंक खाते, डेबिट या डेबिट कार्ड की जानकारी एकत्र नहीं करती। ना ही किसी तरह का ओटीपी इनके द्वारा मांगा जाता है। किसी भी फोन पर अपने बैंक, डेबिट या क्रेडिट कार्ड की जानकारी ना दें। कोई ओटीपी मांगता है तो कतई ना दें। तुरंत फोन काट दें और साइबर हेल्पलाइन पर संपर्क करें। किसी के कहने पर अपने फोन में साफ्टवेयर या एप डाउनलोड ना करें। जागरूक रहकर ही लोग साइबर ठगी से बच सकते हैं।

साइबर क्रिमिनल से रहें सावधान...

✻ याद रखें कि कोई भी बैंक या वित्तीय संस्था कभी-भी फोन कॉल या इस तरह के अन्य माध्यमों से आपकी गोपनीय जानकारी नहीं मांगती है। ✻ ईकेवायसी प्रक्रिया हमेशा अपनी बैंक ब्रांच में जाकर ही पूरी करें। किसी भी अननोन स्रोत से मिली फाइलें डाउनलोड न करें। ✻ ई-मेल या वॉट्सऐप जैसे सोशल मीडिया ऐप्स पर भेजे गए अनधिकृत लिंक पर कभी-भी क्लिक न करें, खासकर ऐप्स डाउनलोड करने के लिए। ✻ किसी भी संदिग्ध या धोखाधडी वाले संचार की जानकारी साइबर पुलिस को दें। ✻ अपनी गोपनीय जानकारी, जैसे बैंक अकाउंट नंबर, कार्ड नंबर, सीवीवी, पिन, ओटीपी या इंटरनेट बैंकिंग विवरण किसी के साथ शेयर नहीं करें। ✻ अगर आप किसी ऐसी धोखाधड़ी का शिकार होते हैं तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल या अपने निकटतम पुलिस स्टेशन/साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराएं।

डोडाचूरा तस्कर को दस साल की सजा, एक लाख रूपये जुर्माना

मंदसौर, 31 जुलाई गुर एक्सप्रेस। विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट मंदसौर द्वारा आरोपी हीरासिंह पिता भेरूसिंह गौड़ उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम चांगली पुलिस थाना नई आबादी, तहसील व जिला मंदसौर को अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा की तस्करी करने के अपराध में दोषी पाते हुए 10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 01 लाख रूपये जुर्माने से दण्डित किया। अभियोजन मीडिया प्रभारी बलराम सौलंकी ने बताया कि 30 अक्टूबर 2025 को थाना नारकोटिक्स सेल इंदौर प्रकोष्ट मंदसौर के निरीक्षक प्रकाश गाडरिया को सूचना मिली। इसके बाद गुराडिया देदा फंटा महू नीमच राजमार्ग पर दबिश दी गई। इस दौरान कार ... शेष पेज 4 पर

अल्प्राजोलम गोलियों के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

नशे की 07 हजार 500 गोलियां और डोडाचूरा जप्त

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में नई आबादी थाना पुलिस ने तस्करी के दो आरोपियो को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में नशे की गोलियां और डोडाचूरा जब्त किया है। यह कार्रवाई पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद के मार्गदर्शन में, एएसपी श्री तेरसिंह बघेल व सीएसपी श्री जितेंद्रसिंह भास्कर के निर्देशन तथा थाना प्रभारी निरीक्षक वरुण तिवारी के नेतृत्व में की गई।

थाना नई आबादी में पदस्थ उनि महेन्द्रसिंह यादव द्वारा 31 जुलाई को नालछा माता फंटा हाईवे रोड पर चेकिंग के दौरान बिना नंबर की पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों को रोका गया। तलाशी लेने पर उनके पास से 07 हजार 500 अल्प्राजोलम टेबलेट (500 पत्ते, प्रति पत्ता 15 टेबलेट) तथा 07 किलो डोडाचुरा बरामद हुआ। जब्त सामग्री की कुल कीमत लगभग 5.14 लाख आंकी गई है। साथ ही एक बिना नंबर की पल्सर मोटरसाइकिल भी ज़ब्त की गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लोकेश पिता गोपाल बंजारा उम्र 21 वर्ष निवासी सावनकुंड, मनासा जिला नीमच तथा विक्रम पिता इंदर सिंह बंजारा उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम केडी, थाना मनासा, जिला नीमच के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ धारा 8/15, 22, 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है।

पुलिस हुई एक्टिव: एक रात में 246 वारंटियों को दबोचा

अवैध शराब के साथ ईनामी आरोपियों को गिरफ्तार किया

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कॉम्बिंग गश्त में जिलेभर के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम आरोपियों की धरपकड़ में लगी रही। करीब 50 टीमों के साथ 500 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी रातभर पसीना बहाते रहे। इस दौरान 246 वारंटियों को धरदबोचा, जिनमें 146 स्थायी वारंटी एवं 93 गिरफ्तारी वारंटी शामिल है।

कॉम्बिंग गश्त के दौरान मंदसौर पुलिस थाना वायडी नगर के द्वारा 03 ईनामी उद्घोषित आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद कॉम्बिंग गश्त की सतत मानीटरिंग करते रहे। इस दौरान उन्होंने मल्हारगढ़ थाने पहुंचकर आकस्मिक निरीक्षण भी किया। कॉम्बिंग गश्त के दौरान मंदसौर पुलिस द्वारा हिस्ट्रीशीटर/बदमाशों की चेकिंग करते कुल 66 निगरानी बदमाशों को चेक किया एवं 90 गुंडा/बदमाशों, 06 माफीबंद बदमाशों को चेक करते कुल 162 निगरानी/गुंडा बदमाशों की चैकिंग की गई। कॉम्बिंग गश्त के दौरान मंदसौर पुलिस द्वारा अवैध शराब के कुल 45 प्रकरणों में 45 आरोपियों को गिरफ्तार कर आरोपियों के कब्जे से 186 लीटर कीमती 62 हजार 900 रु की अवैध शराब जप्त की गई।

रेप का आरोपी भाजपा नेता गिरफ्तार

रतलाम, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भाजपा नेता मुकेश पंचोली पर इंदौर की महिला ने रेप का प्रकरण दर्ज कराया है। उसका आरोप हैं कि आरोपी ने पहले पति से तलाक लेने को कहा। इसके बाद मुझे लिव इन में रखा। जब मैंने शादी का कहा तो मुझे जान से मारने की धमकी दी। महिला ने इंदौर के भवरकुंआ थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस गुरुवार सुबह भाजपा नेता को आलोट के ताल से गिरफ्तार कर इंदौर ले गई। आरोपी नेता को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे जैल भेज दिया।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि कि मेरी शादी 2015 में मुंबई के नरेश जैन से हुई थी। चार साल पहले एक दोस्त की शादी में मुकेश पंचोला से मुलाकात हुई थी। इसके बाद दोनों में प्रेम संबंध बन गए। मुकेश ने मुझसे शादी का वादा किया और पति से तलाक लेने को कहा। मैंने मुकेश के कहने पर 2024 में पति ... शेष पेज 4 पर

जैतपुरा फोरलेन पर देहव्यापार जैसी कुरीति का नंगा नाच और सड़क किनारे शौकीन मिजाजों का जमघट

✻ पुलिस का भी कोई टेंशन नहीं, इस गारंटी के साथ हाईवे पर पनप रहा अनैतिक कृत्य
✻ वेश्यालयों में मानव तस्करी और यौन शोषण जैसे मामलों से भी नहीं किया जा सकता इंकार
✻ जिस्मफरोशी के धंधे में धकेली जा रही नाबालिग बच्चियां, पॉक्सो एक्ट की उड़ रही धज्जियां

दीपक चौहान

नीमच, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश के अंतिम छोर का जिला नीमच यूं तो देश भर में सीआरपीएफ की जन्मस्थली और विशेषकर अफीम उत्पादक क्षेत्र के रूप में अपनी पहचान रखता है। लेकिन, इस जिले के कुछ इलाकों में फैली एक कुरीति ऐसी भी है, जिसने इस जिले के नाम पर ऐसा धब्बा लगा दिया, जिसे आज तक कोई धो नहीं पाया। और वो दाग है देहव्यापार, वेश्यावृत्ति का जिला मुख्यालय से सटे फोरलेन हाइवे पर सजे इन वेश्यालयों को देखकर ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस अवैध और अनैतिक धंधे का दलदल कितना गहरा है। स्थानीय पुलिस का यहां कोई टेंशन नहीं तो शौक मिजाजों का जमावडा यहां जलजले की तरह देखने को मिल जाता है। बकायदा 'प्रॉस्टिट्यूशन' की ओर से इस बात की गारंटी दी जाती है, कि यहां आने वाले उनके कस्टमरों को किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होगी। मतलब पुलिस की भी नहीं...! लिहाजा वेश्यालयों की ओर रुख करने वालों शौकिन मिजाजों के लिए नीमच का जैतपुरा फोरलेन क्या जिले का एक ऐसा सैफ जोन बन चुका है, जहां स्थित वेश्यालयों में अनैतिक कृत्य की खुली छूट स्थानीय पुलिस की ओर से दे दी गई है...?

यह बड़ा ही गहरा और गंभीर सवाल है। जो इस जिले की कानून व्यवस्था पर एक ऐसे अपराध को लेकर खड़ा हो रहा है। जिसे गारंटी देकर अंजाम दिया जा रहा है...? देह व्यापार के खिलाफ कार्यवाहियों की बात की जाए तो पूर्व में इस संबंध में प्रभावी कदम भी उठाए गए थे और बांछड़ा समुदाय को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के हर संभव प्रयास भी किए गए। लेकिन, सरकार और स्थानीय प्रशासन की इस पहल का असर अधिक समय तक नहीं रहा, और क्षेत्र में वेश्यालयों का दायरा और भी बढ़ता गया। वर्तमान में हालात कुछ ऐसे है कि जैतपुरा फोरलेन के आसपास स्थित देह व्यापार के अड्डों पर मनचलों का जमघट सा लगा रहता है। जहां जिस्मफरोशी के इस धंधे के बीच अपराधों और दुर्घटनाओं की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा सकता...?

पूर्व में सामने आ चुके है 'मानव तस्करी' के मामले–जिस्मफरोशी के इस घिनौने धंधे के बीच मानव तस्करी की घटनाओं ने भी जन्म ले लिया है। इसका उदाहरण पूर्व में उस वक्त सामने आया था, जब नीमच-मन्दसौर जिलों में देह व्यापार के अड्डों से उठी मानव तस्करी की चिंगारी ने समूचे 'सिस्टम' में आग लगा दी थी। दोनों ही जिलों के अलग अलग क्षेत्रों से पुलिस ने एक्शन लेते हुए जबरन देह व्यापार में धकेली गई बच्चियों को बरामद किया था और ताबड़तोड़ कार्यवाहियां बाछड़ा डेरों के खिलाफ की गई...!

पॉक्सो एक्ट की उड़ रही धज्जियां...?–जिस्मफरोशी का खुला बाजार बन चुका फोरलेन का जैतपुरा इलाका जिले में बांछड़ा डेरों का मुख्य केंद्र है और यहां चल रहे वेश्यालयों पर देह व्यापार के दलदल में नाबालिग बच्चियां भी धकेली जा रही है। 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' का नारा देने वाली सरकारों की मंशाओं को यहां एक घिनौने कृत्य को अंजाम देकर रौंदा जा रहा है तो वहीं बच्चों के यौन शोषण के खिलाफ लागू किया गया सख्त कानून पॉक्सो अधिनियम (POCSO Act), की धज्जियां यहां के बांछड़ा डेरो में उड़ रही है...?बहरहाल देहव्यापार और इस दलदल के बीच पनप रही मानव तस्करी, नाबालिगों का यौन शोषण और अन्य अपराधिक गतिविधियों पर आखिर कब अंकुश लगेगा, यह गंभीर सवाल है...!

इनका कहना–नीमच में जैतपुरा या मंदसौर से आते हुए सगरग्राम व नीमच बायपास से इंट्री करते समय 10- 12 साल की उम्र की बालिकाएं देह व्यापार के लिए लोगो को रोकते हुए दिख जाती है और कई बार तो मोलभाव करते हुए उनकी बहस रोड पर चल रहे लोगो का ध्यान आकर्षित करती है। बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष रहते हुए पुलिस अधीक्षक नीमच को कई बार पत्र लिखा पर उनके द्वारा कोई संज्ञान नही लिया गया। क्योंकि, नीमच जिले की पुरी पुलिस अफीम डोडाचुरा के केस बनाने में और फिर उनके तोड़ बट्टे में ही व्यस्त रहती है। अभी तो कुछ मामलों में संज्ञान में आया है कि नीमच जिले की पुलिस पॉक्सो एक्ट को भी गम्भीरता से नही ले रही है। किशोर न्याय अधिनियम 2015 व पॉक्सो एक्ट 2012 का पालन नही हो रहा है...!

प्रीति बिड़ला, पूर्व अध्यक्ष बाल कल्याण समिति नीमच

देहव्यापार के खिलाफ वर्तमान में किसी का अंकुश नहीं है। पूर्व में जिले के तत्कालीन एसपी के निर्देशों पर कार्यवाहियां भी हुई और बांछड़ा डेरों पर दबिशें भी दी गई। मानव तस्करी के मामले भी कई बार सामने आ चुके है। जिस्मफरोशी का बाजार आज स्थानीय जैतपुरा फोरलेन पर सज रहा है...

आकाश चौहान
सामाजिक कार्यकर्ता

पिपलिया कराड़िया गांव में हुआ हादसा...

बकरी चराने गए युवकों की कुएं में डूबने से मौत

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। बकरी चराने गए दो युवकों की कुएं में डूबने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने उनके शव बाहर निकाले। शवों को पोस्टमार्टम के लिए नाहरगढ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। मामला नाहरगढ थाना क्षेत्र के पिपलिया कराड़िया गांव का है। मृतकों की पहचान 21 वर्षीय कमलेश वाल्मीकि और 15 वर्षीय संदीप चंद्रवंशी के रूप में हुई है। उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने दोनों की मौत पर संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

प्यास लगने पर कुएं में उतरा था–घटना उस समय हुई जब दोनों युवक बकरियां चरा रहे थे। कमलेश को प्यास लगी और वह पानी पीने के लिए कुएं में उतरा। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह गहराई में जाने लगा। माना जा रहा हैं कि उसे बचाने के लिए संदीप भी कुएं में उतर गया। दुर्भाग्य से संदीप भी हादसे का शिकार हो गया और दोनों की पानी में डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही नाहरगढ पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों के शवों को कुएं से बाहर निकाला गया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए नाहरगढ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। एडिशनल एसपी तेरसिंह बघेल ने बताया कि थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि मर्ग कायम कर लिया गया है और घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

विचार-मंथन

नागरिकता प्रमाण पत्र को लेकर विवाद

भारतीय लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक ढांचा है, जिसकी शक्ति निष्पक्ष चुनाव और जन-भागीदारी में निहित है। चुनाव आयोग इस व्यवस्था का आधार है, जो हर नागरिक के स्वतंत्र और स्वेच्छा से मतदान करने के अधिकार की रक्षा करता है। मगर इसकी कार्यप्रणाली पर ही अगर मतदाताओं को संशय होने लगे तो स्पष्टता की मांग स्वाभाविक है। बिहार में कुछ माह बाद विधानसभा चुनाव होने हैं और निर्वाचन आयोग ने वहां मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू किया है, जिसे लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। सबसे बड़ा विवाद आयोग की ओर से तय किए गए नागरिकता के प्रमाण पत्रों को लेकर है, जिनमें आधार और मतदाता पहचान पत्र मान्य नहीं बताया गया। इससे मतदाताओं में असंतोष पैदा हुआ। विपक्षी दल भी चुनाव आयोग के इस कदम का विरोध कर रहे हैं। विवाद इतना बढ़ा कि मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। याचिकाकर्ताओं की ओर से दी गई दलील के आधार पर शीर्ष अदालत को भी कहना पड़ा कि अगर विशेष गहन पुनरीक्षण में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए जाते हैं, तो न्यायालय हस्तक्षेप करेगा। चुनाव आयोग के मुताबिक, इस प्रक्रिया के दौरान राज्य में पंजीकृत पैंसठ लाख लोगों ने गणना प्रपत्र जमा नहीं किए हैं, क्योंकि वे या तो मृत हैं या स्थायी रूप से कहीं और स्थानांतरित हो गए हैं। यानी अगर इन लोगों की ओर से आने वाले दिनों में कोई आवेदन दायर नहीं किया जाता है, तो उनका नाम मतदाता सूची से हटाया जा सकता है। हालांकि, आयोग कह चुका है कि मतदाता सूचियों में बड़ी संख्या में फर्जी नामों का पंजीकरण है, जिसे दुरुस्त करना जरूरी है और यह प्रकिया देश भर में चलाई जाएगी। मगर सवाल इस प्रकिया के समय और

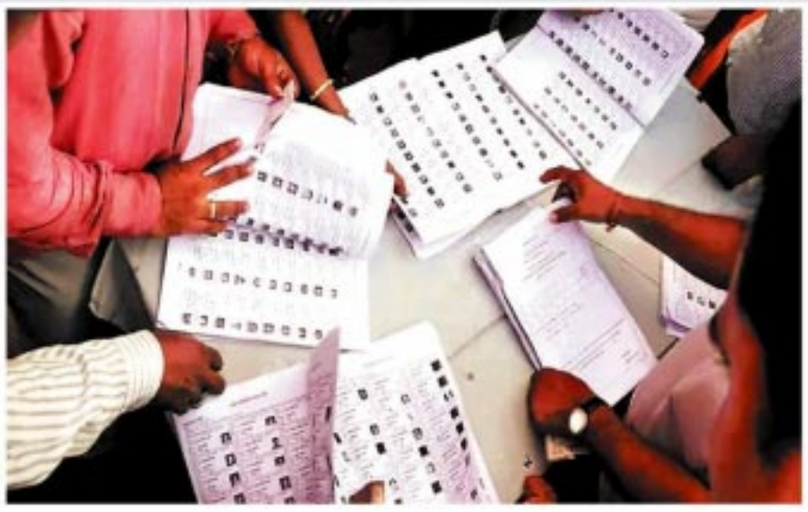

बिहार से इसकी शुरूआत करने को लेकर भी है। विपक्षी दलों और कुछ सामाजिक संगठनों की दलील है कि चुनाव से ठीक पहले यह कदम उठाना अनुचित है। यहां गौर करने वाली बात यह है कि जो लोग किसी कारणवश अपनी नागरिकता का वैध दस्तावेज समय पर नहीं दे पाएंगे, वे मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। शीर्ष अदालत ने इस मामले पर पहले सुझाव दिया था कि चुनाव आयोग को इस प्रकिया में नागरिकता प्रमाण पत्र के रूप में आधार, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड को भी शामिल करने पर विचार करना चाहिए। अब आयोग की दलील है कि वह पहचान के उद्देश्य से आधार और मतदाता पहचान पत्र का उपयोग कर रहा है, लेकिन ये दोनों नागरिकता का प्रमाण नहीं हैं और इन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। ऐसे में यह सवाल उठना भी स्वाभाविक है कि जब किसी बैंक में खाता खुलवाने से लेकर रसोई गैस के लिए पंजीकरण के वास्ते आधार अनिवार्य है, तो वह नागरिकता की प्रमाणिकता के लिए वैध दस्तावेज क्यों नहीं है? मतदाता पहचान पत्र तो चुनाव आयोग की निगरानी में ही बनते हैं, फिर उन्हें भरोसे का दस्तावेज क्यों नहीं माना जा रहा? फिर आयोग की सूची में जिस आवासीय प्रमाणपत्र को जगह दी गई, उसकी हालत यह है कि बिहार के मसौढ़ी से एक कुत्ते के नाम पर निवास प्रमाण पत्र जारी करने की खबर आई। ऐसे में किस प्रमाणपत्र को सबसे विश्वसनीय माना जाएगा? यह सच है कि देश में चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए रखने के लिए मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया जरूरी है। मगर इस प्रक्रिया की जटिलता से कोई योग्य मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित न हो, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी चुनाव आयोग पर ही है।

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते से भारत होगा मालामाल

विवेक मिश्रा

हाल ही में संपन्न भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता भारत की उभरती व्यापार कूटनीति और आर्थिक आकांक्षाओं में एक महत्वपूर्ण मोड़ है. लगभग तीन वर्षों की गहन बातचीत के बाद, इस समझौते को अंतिम रूप दे दिया गया है. यह संभवतः गहरे ऐतिहासिक, रणनीतिक और वाणिज्यिक संबंधों वाली दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच द्विपक्षीय सहयोग में एक नए अध्याय की शुरुआत करता है. भारत के दृष्टिकोण से, इस समझौते का समय इससे अधिक महत्वपूर्ण नहीं हो सकता था. जैसे-जैसे वैश्विक व्यापार महामारी के बाद और बढ़ते भू-राजनीतिक बदलावों के बीच खुद को पुनः संगठित कर रहा है. प्रमुख पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं के साथ तरजीही बाजार पहुंच हासिल करने के लिए भारत का कदम इसकी व्यापक आर्थिक और विदेश नीति रणनीति का एक महत्वपूर्ण घटक है. सीईटीए व्यापार संबंधों को दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखता है और दोनों देशों के लिए, विशेष रूप से उच्च-मूल्य वाले पश्चिमी बाजारों तक पहुंच चाहने वाले भारतीय निर्यातकों के लिए, आर्थिक लाभ का वादा करता है. इस समझौते के तहत, भारत से ब्रिटेन को होने वाले निर्यात की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क कम या समाप्त कर दिए जाएंगे. इनमें कपड़ा, जूते, कालीन, ऑटोमोबाइल, समुद्री भोजन, ताजे फल, चिकित्सा उपकरण और व्हिस्की जैसे प्रमुख श्रम-प्रधान और उच्च-विकास वाले क्षेत्र शामिल हैं. अल्पावधि में, भारत को ब्रिटेन के बाजार में प्रवेश करने वाले सामानों पर शुल्क में 99 प्रतिशत तक की कमी का लाभ मिलेगा. ब्रिटेन के लिए, स्कॉच व्हिस्की और लग्जरी ऑटोमोबाइल जैसे उच्च-स्तरीय उत्पादों पर शुल्क समाप्त होने से ब्रिटिश सामान भारतीय बाजार में, जो तेजी से बढ़ते मध्यम वर्ग का घर है, अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे. शुल्कों के

अलावा, इस समझौते में सुव्यवस्थित सीमा शुल्क प्रक्रियाएं और व्यापार सुगमता उपाय शामिल हैं. इनसे नियामकीय अड़चनें कम होने और दोनों पक्षों के निर्यातकों के लिए व्यापार करने में आसानी होने की उम्मीद है. इस समझौते को ब्रिटेन के कई क्षेत्रों में रोजगार और निवेश बढ़ाने वाले उपाय के रूप में प्रचारित किया जा रहा है. इस समझौते के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में स्थानीय उद्योगों में लगभग 60 लाख पाउंड का नया निवेश आने की उम्मीद है. उदाहरण के लिए, उत्तरी आयरलैंड को इंजीनियरिंग, व्हिस्की उत्पादन, प्रौद्योगिकी और सेवाओं जैसे उद्योगों में 5 करोड़ पाउंड का लाभ होने की उम्मीद है. लगभग 150 उत्तरी आयरिश कंपनियां वर्तमान में भारत को निर्यात कर रही हैं. साथ ही इस समझौते से इस संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है. इसी प्रकार, वेल्स को लगभग 8 करोड़ पाउंड का आर्थिक लाभ होने का अनुमान है, विशेष रूप से विनिर्माण और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में. यह समझौता प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की परिवर्तन की योजना के अनुरूप भी है, जो समान और विकासोन्मुखी व्यापार साझेदारी के माध्यम से ब्रिटेन की आर्थिक रणनीति को फिर से स्थापित करने के लेबर के इरादे को दर्शाता है. यह समझौता न केवल आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए बल्कि ब्रेक्सिट के बाद ब्रिटेन में घरेलू आर्थिक पुनरुद्धार में योगदान देने के लिए भी बनाया गया है. व्यापार के अलावा, इस समझौते में निहित सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक संगठित अपराध और अवैध प्रवासन से संयुक्त रूप से निपटने की प्रतिबद्धता है. दोनों पक्ष मानव तस्करी, दस्तावेज धोखाधड़ी से निपटने और निर्वासन एवं प्रत्यावर्तन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए रूपरेखाएं विकसित करने पर सहमत हुए हैं. घरेलू कानून प्रवर्तन प्राथमिकताओं पर यह अभिसरण द्विपक्षीय संबंधों की उभरती परिपक्वता को रेखांकित करता है, क्योंकि दोनों राष्ट्र समन्वित कार्रवाई की मांग करने वाली अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों से जूझ रहे हैं. इसके अतिरिक्त, यह व्यापार समझौता 2021 में घोषित व्यापक भारत-यूके व्यापक रणनीतिक साझेदारी को सुदृढ़ करता है, जो रक्षा, शिक्षा, सुरक्षा, जलवायु कार्रवाई और उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग को व्यापक बनाती है. सीईटीए रूपरेखा का समर्थन करने वाला एक महत्वपूर्ण स्तंभ यूके-भारत प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल (टीएसआई) है, जिस पर 2023 में हस्ताक्षर किए गए हैं. इसका एक प्रमुख घटक फ्यूचर टेलीकॉम पर 7 मिलियन पाउंड का संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम है, जिसने पहले ही ओपन आरएएन और 5जी/6जी टेस्टबेड में संयुक्त विकास को सक्षम बनाया है. यह तकनीकी सहयोग क्वाड देशों द्वारा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षित, पारदर्शी और लोकतांत्रिक डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के व्यापक प्रयासों के अनुरूप है. अन्य क्षेत्रों में, भारत और यूके दोनों द्वारा विश्वसनीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं और फेमटेक (महिला-उन्मुख स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों) पर अपने सहयोग को गहरा करने की उम्मीद है. ये क्षेत्र नवाचार, समावेशन और अखंडता के सिद्धांतों के माध्यम से प्रौद्योगिकी के भविष्य को आकार देने में साझा रुचि को दर्शाते हैं। सीईटीए दोनों अर्थव्यवस्थाओं में उच्च-विकास वाले क्षेत्रों, जैसे एयरोस्पेस, इलेक्ट्रिक वाहन, उन्नत विनिर्माण और स्वच्छ ऊर्जा, के लिए एक रोडमैप भी प्रदान करता है. चिकित्सा उपकरणों पर कम टैरिफ भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, जो दवा और चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में चीन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है. यह एक महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है, क्योंकि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक सुर्खियों में वापसी और विदेशी दबा आयात के प्रति उनके ऐतिहासिक संशय ने अमेरिकी बाजार में भविष्य की पहुंच को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं. इस प्रकार, भारत का विविध व्यापार संबंध बनाने पर ध्यान, जिसमें एक अलग व्यापार समझौते के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ चल रही बातचीत भी शामिल है।

संसद में दिये गये भाषणों के मायने...

नीरज कुमार दुबे

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा ने यह स्पष्ट कर दिया कि मोदी सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी रणनीति और नीतियों में एक निर्णायक और आक्रामक दृष्टिकोण अपनाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने भाषणों में यह संदेश दिया कि भारत न केवल हमलों का त्वरित जवाब देने में सक्षम है, बल्कि हर बार नये मानक भी स्थापित करता है। सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण की बात करें तो आपको बता दें कि उनका संबोधन इस बात का प्रमाण था कि अब आतंकवादियों के आकाओं को पता है कि भारत चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल के पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए भारत ने मात्र 22 मिनट में निर्धारित लक्ष्यों पर सटीक सैन्य प्रहार किया था। मोदी ने अपने संबोधन के माध्यम से तीन मुख्य संदेश दिए- 1. भारत अपनी शर्तों पर जवाब देगाः अब कोई परमाणु ब्लैकमेलिंग नहीं चलेगी। 2. इस ऑपरेशन में 'मेड इन इंडिया' ड्रोन और मिसाइलों का सफल प्रयोग भारत की रक्षा स्वायत्तता का प्रतीक था। 3. उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र के 193 देशों में से केवल तीन देशों ने पाकिस्तान के पक्ष में बयान दिया, जबकि बाकी देशों ने भारत का समर्थन किया। मोदी ने विपक्ष पर यह आरोप भी लगाया कि उसके नेता पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं और जवानों के पराक्रम को राजनीतिक चश्मे से देख रहे हैं। यह विपक्ष की नैतिक अस्थिरता को उजागर करता है। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संबोधन पर गौर करें तो आपको बता दें कि उन्होंने स्पष्ट किया कि पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड सुलेमान, अफगान और जिब्रान जैसे ए-श्रेणी के आतंकियों को 'ऑपरेशन महादेव' में मारा गया। उन्होंने बताया कि यह अभियान भारतीय सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त प्रयास का नतीजा था। अमित शाह ने कहा कि आतंकियों के खिलाफ सबूत इतने मजबूत थे कि उनके पाकिस्तानी मतदाता पहचान पत्र तक बरामद हुए। उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह कैसी राजनीति है कि आतंकियों के मारे जाने पर भी उनके चेहरे फीके पड़ गए। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में ऑपरेशन सिंदूर को तीनों सेनाओं के समन्वय का बेमिसाल उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन का मकसद किसी क्षेत्र पर कब्जा करना नहीं, बल्कि पाकिस्तान द्वारा पाले गए आतंकवाद की नर्सरी को खत्म करना था। राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि उसने दोबारा आतंकवादी गतिविधियां कीं तो ऑपरेशन सिंदूर को पुनः शुरू करने में देर नहीं लगेगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 10 मई की सुबह भारतीय वायुसेना के करारे हमलों के बाद ही पाकिस्तान ने संघर्ष विराम की पेशकश की थी। उधर, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने विपक्ष के इस आरोप को खारिज कर दिया कि अमेरिका या अन्य देशों के दबाव में भारत ने ऑपरेशन रोका। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच इस अवधि में कोई सीधा संवाद नहीं हुआ था। इसके अलावा, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री के संबोधनों से जो मुख्य बिंदु उभर कर आये उसके मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र के 193 देशों में से केवल तीन ने पाकिस्तान का समर्थन किया। सिंधु जल संधि को स्थगित करना और अटारी सीमा बंद करना आतंकवाद पर भारत की सख्त नीति का संकेत था। साथ ही क्वाड, ब्रिक्स और यूएनएससी में भारत ने स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। देखा जाये तो मोदी सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत 22 मिनट में जवाबी कार्रवाई कर यह दिखा दिया कि अब लंबी चर्चाओं का समय खत्म हो चुका है। 'मेड इन इंडिया' हथियारों के प्रयोग ने पाकिस्तान की मिसाइल और ड्रोन तकनीक की पोल खोल दी। साथ ही विदेश मंत्री जयशंकर के नेतृत्व में भारत ने विश्व स्तर पर यह विमर्श बनाया कि पाकिस्तान का आतंकवाद पूरी मानवता के लिए खतरा है। इसके अलावा, आतंकवादियों और उनके समर्थक देशों को अब यह समझना होगा कि भारत न केवल हमले का जवाब देगा बल्कि हमलावरों को समाप्त कर देगा।

एससीओ बैठक में जयशंकर और इशाक डार के भाषणों के विश्लेषण से कई बड़ी बातें सामने आईं

जयशंकर का फोकस भारत की 'वसुधैव कुटुंबकम' की नीति और 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को क्षेत्रीय सहयोग से जोड़ने पर रहा। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि साझा विकास तभी संभव है जब क्षेत्र में शांति और आतंकवादमुक्त माहौल हो। चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों के भाषण ने एक बार फिर यह साफ कर दिया कि दोनों देशों के बीच भले ही मंच साझा हो, लेकिन उनके दृष्टिकोण, प्राथमिकताएं और वैश्विक भूमिका को लेकर सोच में गहरी खाई कायम है। जहां भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर का वक्तव्य एक परिपक्व, आत्मविश्वासी और वैश्विक दृष्टिकोण से परिपूर्ण था, वहीं पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार का भाषण पुरानी शिकायतों, पाकिस्तान की विक्टिम कार्ड वाली छवि और कश्मीर के घिसे-पिटे मुद्दों के इर्द-गिर्द ही सिमटा रहा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने भाषण में एससीओ की प्रासंगिकता, क्षेत्रीय स्थिरता और आतंकवाद के खिलाफ साझा जिम्मेदारियों पर जोर दिया। उन्होंने न सिर्फ भारत की उभरती हुई वैश्विक भूमिका को रेखांकित किया, बल्कि इस मंच के माध्यम से पाकिस्तान सहित सभी पड़ोसी देशों को स्पष्ट संदेश भी दिया कि आतंकवाद और सीमा-पार हिंसा किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत की कार्रवाई को उचित ठहराते हुए जयशंकर ने एससीओ को आतंकवाद और चरमपंथ से निपटने के अपने स्थापना उद्देश्य से नहीं भटकने की सलाह भी दी। साथ ही जयशंकर का फोकस भारत की 'वसुधैव कुटुंबकम' की नीति और 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को क्षेत्रीय सहयोग से जोड़ने पर रहा। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि साझा विकास तभी संभव है जब क्षेत्र में शांति और आतंकवादमुक्त माहौल हो। ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक सहयोग, कनेक्टिविटी और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर भारत के रुख ने एक जिम्मेदार और परिपक्व वैश्विक शक्ति की छवि भी पेश की। दूसरी ओर, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार का भाषण कहीं न कहीं भारत के विरुद्ध पूर्व निर्धारित एजेंडे और पुराने दावों का ही विस्तार प्रतीत हुआ। इशाक डार ने अप्रत्यक्ष रूप से कश्मीर का मुद्दा उठाकर इसे अंतर्राष्ट्रीय मंच पर घसीटने की कोशिश की, जबकि एससीओ का मापदंड है कि यह मंच द्विपक्षीय विवादों के लिए नहीं, बल्कि साझा क्षेत्रीय हितों के लिए है। डार के भाषण में पहलगाम हमले से पल्ला झाड़ने, भारत के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाने और भारत के साथ संवाद की आवश्यकता भी जताने जैसी बातें मुख्य बिंदु रहीं। इशाक डार ने कहा कि पिछले तीन महीनों में दक्षिण एशिया में ''बेहद परेशान करने वाली घटनाएं'' हुईं। इशाक डार ने कहा, ''पाकिस्तान संघर्ष-विराम और स्थिर क्षेत्रीय संतुलन कायम करने की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग है। हालांकि, हम यह स्वीकार नहीं कर सकते कि बल का मनमाना प्रयोग सामान्य हो जाए।'' देखा जाये तो पाकिस्तान एक ओर खुद को पीड़ित दिखाने की कोशिश करता रहा, वहीं दूसरी ओर क्षेत्रीय स्थिरता और विकास की बातें करता रहा, जो उसकी नीति में अंतर्विरोध को ही उजागर करता है। भारत और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों के भाषण पर गौर करेंगे।

सर्पदंश और आपदा प्रबंधन विषय पर कार्यशाला संपन्न

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मुख्यालय के समीप ग्राम साबखेड़ा में स्थित शासकीय सांदीपनी विद्यालय में सिविल डिफेंस, होमगार्ड एवं आपदा प्रबंधन टीम (एसडी आरएफ) के संयुक्त तत्वावधान में विद्यालय के तकरीबन 600 विद्यार्थियों को जिला कमांडेंट वीरेंद्रसिंह जादौन के मार्गदर्शन में सर्प दंश (स्नेक बाईट) और उपचार प्रबंधन विषय पर जानकारी, डिप्टी चीफ सिविल डिफेंस जिला मंदसौर डॉ. हिमांशु यजुवेर्दी के द्वारा प्रदाय की गई जिसके अंतर्गत यह बताया गया कि सर्प दंश से जुड़े कितने मिथक और भ्रांतियां आम लोगों में होती है, कैसे लोग अज्ञानता और अंधविश्वास के चलते उपचार लेने के बजाय झाड़ फूंक का सहारा लेते है। साथ ही ऐसी क्या गलतियां और सावधानी होती है जिसके कारण व्यक्ति सर्प दंश का शिकार होने से बच सकता है। प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदा प्रबंधन में किस तरह अपनी और किसी अन्य व्यक्ति की जान उपकरणों की मदद से बचाई जा सकती है, कैसे लोगों को जागरूक किया जा सकता है, किस तरह प्रशासन के लिए सहयोगी बनके जान और माल की सुरक्षा की जा सकती है। इस पर जानकारी डिप्टी कमांडेंट होम गार्ड रब्बी काजी और आपदा प्रबंधन टीम के द्वारा प्रदाय की गई। इस अवसर पर जान बचाने वाले महत्वपूर्ण उपकरण बच्चों को बताए गए। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य दिलीपसिंह डाबी, विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

तुलसीदासजी भारतीय संस्कृति और धर्म के महान प्रवर्तक थे-डॉ. सोमानी

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में संत तुलसीदास जयंती मनाई

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय मंदसौर में 31 जुलाई को संत तुलसीदास जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. योगिता सोमानी एवं शिक्षिका डॉ कृतिका माथुर रही।

प्राचार्य डॉ. सोमानी ने कहा कि तुलसीदास जी केवल एक कवि नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और धर्म के महान प्रवर्तक थे। उन्होंने भक्ति के माध्यम से न केवल साहित्य को समृद्ध किया, बल्कि समाज को भी एकजुट किया। उनका जीवन और कृतित्व हर युग में प्रेरणा का स्रोत रहेगा। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक श्रीमती प्रेरणा सक्सेना दीदी ने किया। अतिथियों का स्वागत तृतीय सेमेस्टर की छात्राध्यापिका निधि शर्मा एवं छात्राध्यापक विराम सिंह ने किया। कार्यक्रम में बी. एड. तृतीय सेमेस्टर के छात्राध्यापकों ने संत तुलसीदास जी के जीवन परिचय एवं उनके द्वारा रचित दोहे व श्लोक इत्यादि सुनाये। कार्यक्रम में समस्त स्टॉफ व छात्राध्यापक उपस्थित रहें। आभार सहायक प्राध्यापक श्रीमती निशा शर्मा दीदी ने माना।

प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची ग्राम पिपलीखेड़ा

नीमच, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले के जावद विकासखंड के ग्राम पिपली खेड़ा में गुरुवार क डायरिया (दस्त रोग) पीड़ितों की सूचना पर प्रशासनिक दल एवं चिकित्सा दल द्वारा गांव में पहुंचकर रोकथाम के उपाय किए। बीएमओ जावद श्री राजेश मीणा ने बताया कि विकासखंड जावद अंतर्गत सिंगोली तहसील के समीपस्थ उपस्वास्थ्य केंद्र ताल के ग्राम पीपली खेड़ा में गुरुवार कोदस्त रोग से पीड़ित रोगियों की सूचना प्राप्त होने पर प्रमुख खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेश मीणा द्वारा तत्काल उकज, एएनएम, आशा कार्यकर्ताओं का दल बनाकर ग्राम में घर-घर सर्वे करवाया गया। दल द्वारा ग्रामीणों को दस्त रोग से बचाव एवं दस्त लगने पर उपचार हेतु परामर्श दिया गया। ग्राम पिपली खेड़ा के चार दस्त रोगियों के बारे में जानकारी प्राप्त की गई, जिसमें दो रोगी भीलवाड़ा, एक बेगु ,एक रोगी नीमच में उपचाररत है, सभी रोगियों की स्थिति वर्तमान में सही है, एवं ग्राम में दस्त के रोगी मिलने पर चिकित्सा दल द्वारा निरंतर कार्य करते हुए आगामी प्रतिदिन घर-घर पहुंचकर उपचार किया जावेगा।

स्वतंत्रता दिवस पर शासकीय भवनों पर रोशनी की जावेगी

नीमच, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले में 15 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया जावेगा। राज्य शासन व्दारा निर्णय लिया गया है, कि प्रदेश के समस्त शासकीय भवनों एवं राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों पर 15 अगस्त 2025 को सायंकाल रोशनी की जावेगी।

विधि महाविद्यालय मंदसौर में तुलसीदास जी जयंती पर भाषण प्रतियोगिता सम्पन्न

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय मंदसौर में तुलसीदास जी जयंती के अवसर पर दिनांक 31 जुलाई को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि श्री रघुवीर सिंह चुण्डावत ने श्री तुलसीदासजी के जीवन एवं काव्य रचना रामचरितमानस की चौपाइयों के माध्यम से विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया। विशेष अतिथि श्री राजीव गांधी शास. स्ना. महाविद्यालय के हिन्दी विभाग विभागाध्यक्ष प्रो. जे.एल. आर्य ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया एवं निर्णायक श्री राजीव गांधी शास. स्ना. महाविद्यालय के संस्कृत विभाग विभागाध्यक्ष डॉ. के.आर. सूर्यवंशी ने विद्यार्थियों को भाषण प्रतियोगिता में सम्मिलित होकर सफल प्रतियोगी के लिये क्या गुण अनिवार्य है गुणों को प्रकाशित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार पाटीदार द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। डॉ. राजेश कौशिक व प्रो. बहादुर सिंह डावर द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम नेहा संगतानी एवं द्वितीय तनिषा मालवीय, तृतीय ईशान कौशिक रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रो. हेमलता चौहान द्वारा किया गया। तथा प्रो. चंचल शर्मा द्वारा आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम में प्राध्यापकगण प्रो. सीमा श्रीमाल, प्रो. रूचि कुँवर देवडा, प्रो प्रवीण कुमार चौधरी, प्रो. ईश्वर प्रजापति, प्रो. साक्षी माली एवं बड़ी संख्या में महाविद्यालय के विद्यार्थीगण उपस्थित रहें। कार्यक्रम का समापन सभी के द्वारा राम स्तुति का वाचन द्वारा किया गया।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20 वीं किस्त का वितरण कल

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत वर्ष में कुल 6 हजार रूपये की राशि तीन समान किस्तों में प्रदान की जाती है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20 वीं किश्त वितरण का कार्यक्रम प्रधानमंत्री द्वारा 2 अगस्त 2025 को वाराणसी, उत्तरप्रदेश से किया जाएगा। 20वीं किस्त वितरण दिवस को 'पीएम किसान दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।

श्री केशव सत्संग भवन में तुलसी जयंती मनाई

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। संत कवि तुलसीदास जी ने संपूर्ण विश्व को रामचरितमानस के रूप में एक ऐसी दिव्य धरोहर प्रदान की है जो शताब्दियों तक भारतीय जनमानस में मर्यादा, संस्कार और अनुशासन के गुणों का संप्रेषण करती रहेगी। यह विचार श्री केशव सत्संग भवन खानपुरा में चल रही चातुर्मासिक प्रवचन माला के अंतर्गत गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती के प्रसंग पर पूज्य स्वामी श्री डॉ. चैतन्य आनन्द गिरी जी महाराज ने संबोधित करते हुए व्यक्त किए। आपने कहा कि जब सनातन धर्म हमारे ही देश में संकट में आ गया था आक्रांताओं में हमारे धर्म व संस्कृति को नष्ट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी उसे समय गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस ग्रंथि की रचना की और हमारे सनातन मूल्यों को संरक्षित रखा। शिक्षाविद एवं प्रखर वक्ता डॉ. रविंद्र कुमार सोहोनी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित श्री रामचरित मानस यह केवल एक ग्रंथ ही नहीं वरन धर्म, साहित्य, ज्ञान, विज्ञान ओर लोक संस्कृति का जीवंत प्रतिबिंब है। भारतीय समाज में जब तक मानस है तब तक धर्म की ध्वजा लहराती रहेगी। आपने कहा कि तुलसीदास जी ने शैव और वैष्णव इन दो मान्यताओं की दूरी को समाप्त किया। समुद्र मंथन से तो एक बार अमृत निकला किंतु यदि हम रामचरित्र मानस का मंथन करें तो हर बार हमें उसमें से अमृत की प्राप्ति होगी।

डॉ. सोहोनी ने बताया कि विश्व साहित्य में शेक्सपियर को बड़ी महत्ता दी जाती है किंतु शेक्सपियर तो तुलसीदास जी के जीवन काल के बहुत बाद में जन्मे हैं और उन्होंने अपने साहित्य से लगभग साढे तीन हजार नए शब्द दिए। किंतु गोस्वामी तुलसीदास जी ने अपने सभी ग्रंथों में 9539 नए शब्द प्रदान किए हैं। तुलसी ने भगवान श्री राम का वह चरित्र मानस में प्रकट किया है जिसमें प्रभु श्री राम ने केवट और निषाद राज को भी अपना मित्र बनाया और वनवासी के रूप में हनुमान जी तो उनके अनुगामी थे ही अर्थात उन्होंने उंच्र-नीच जैसी विकृति को समाप्त किया। अपने आह्वान किया कि सनातन परंपरा का पालन करने वाले प्रत्येक घर में रामचरितमानस अवश्य होना चाहिए। वरिष्ठ लेखक समाजसेवी ब्रजेश जोशी ने कहा कि हमारे देश में वर्तमान में जो परिवार व्यवस्था है, मर्यादा, संस्कार, अनुशासन और नैतिकता है ये सब तुलसीदास जी के रामचरितमानस ग्रंथ के ही कारण है। रामचरितमानस एक अमर ग्रंथ होने के साथ ही आदर्श भारतीय समाज का संविधान भी है। तुलसीदास जी ने एक चौपाई में लिखा है कि प्रभु श्री राम प्रात: काल उठते ही अपने गुरु और माता-पिता को प्रणाम करते हैं यहां से संस्कारों का संप्रेषण आरंभ होता है। माता पुत्र, पिता पुत्र, भाई भाई इन रिश्तों की जो मर्यादा भगवान राम के चरित्र के माध्यम से तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में अभिव्यक्त की है वह भारतीय समाज का एक दर्पण है। श्री जोशी ने कहा कि संयुक्त परिवार की जो परंपरा हमारे देश में है वह भगवान श्री राम के आदर्श जीवन से ही अभिप्रेरित है। विदेशों में तो जिन परिवारों में पति और पत्नी साथ रहते हैं उन्हें संयुक्त परिवार कहा जाता है जबकि हमारे देश में संयुक्त परिवार वह है जिसमें दादा-दादी माता-पिता भाई-बहन काका-काकी भुवा ये सब हैं इन रिश्तों की डोर परिवार को संयुक्त बनाती है। आरंभ में पूज्य स्वामी जी और अतिथियों ने गोस्वामी तुलसीदास जी के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर अतिथि वक्ता द्वय रवींद्र कुमार सोहोनी व ब्रजेश जोशी का शाल ओढा कर ओर श्रीफल भेंट कर सम्मान भी किया। केशव सत्संग मंडल ट्रस्ट के अध्यक्ष जगदीश सेठिया ने संचालन किया आभार सचिव कारुलाल सोनी ने माना। इस अवसर पर धर्मनिष्ठ महानुभाव महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

02 विद्यार्थियों के शोध पत्र अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर के प्राचार्य प्रो. जे.एस. दुबे ने बताया कि गणित विभाग के बी.एस-सी. चतुर्थ वर्ष आनर्स के 02 विद्यार्थियों ने अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्र का प्रकाशन कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है। गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डा. टी.के. झाला के मार्गदर्शन एवं डा. यशवन्त कुमार पंवार के निर्देशन में पायल सिसोदिया एवं राघव सम्बयाल ने अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्र का प्रकाशन किया है। इस उपलब्धि पर गणित विभाग में प्राचार्य प्रो. जे.एस. दुबे एवं डा. टी.के. झाला द्वारा इन विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर डा. आर.के. गुजेटिया (नीमच), डा. जे.एल. आर्य एवं गणित विभाग का समस्त स्टॉफ उपस्थित था। महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष माननीय श्री नरेश जी चंदवानी, प्राचार्य प्रो. जे.एस. दुबे, डा. टी.के. झाला सहित महाविद्यालय परिवार ने दोनों विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता आज

पर्यटन क्विज प्रतियोगिता में 123 टीमों के 369 प्रतिभागी पर्यटन के ज्ञान को परखेंगे

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता के नोडल अधिकारी डॉ. विनीता प्रधान ने बताया कि मंदसौर मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थल, ऐतिहासिक स्थल, कला, संस्कृति, मेले, उत्सव, त्योहार, प्रमुख इमारतें नदियां, बोलियां फिल्म निर्माण आदि बातों का ज्ञान बताने के लिए मंदसौर जिले की शासकीय तथा अशासकीय संस्थाओं की 123 टीमें जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय में 1 अगस्त 2025 को आयोजित हो रही जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पहुंचेंगी। 123 टीमों में कक्षा 9वी से 12वीं तक में पढ़ने वाले 369 विद्यार्थी अपने विद्यालय के मार्गदर्शक शिक्षक के साथ शामिल होंगे। प्रतियोगिता को आयोजित करने के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा गठित विभिन्न समिति के प्रभारी एवं सदस्यों की बैठक उत्कृष्ट विद्यालय मंदसौर में आयोजित की गई। जिसमें अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक श्री लोकेंद्र डाबी ने प्रतियोगिता की नियमावली तथा प्रतियोगिता को ठीक ढंग से आयोजित करवाने के संबंध में सबको मार्गदर्शन दिया। पर्यटन क्विज प्रतियोगिता की मास्टर ट्रेनर श्रीमती कीर्ति सक्सेना उच्च माध्यमिक शिक्षक लौह पुरुष सरदार पटेल उ. मा. वि मंदसौर ने इस अवसर पर प्रतियोगिता आयोजन की संपूर्ण रूपरेखा प्रस्तुत की तथा बताया कि प्रतियोगिता दो चरण होगी।

पहले चरण में 100 प्रश्नों का प्रश्न पत्र प्रत्येक टीम को हल करना होगा जिसके लिए 2 घंटे का समय रहेगा। द्वितीय चरण 10 राउंड में संपन्न होगा जिसमें प्रथम चरण में चयनित सर्वाधिक अंक पाने वाली छह टीमें भाग लेंगी। क्विज प्रतियोगिता के नोडल अधिकारी ने बताया कि जो प्रतिभागी भाग लेने के लिए उत्कृष्ट विद्यालय पहुंचेंगे उनके लिए पंजीयन हेतु पांच काउंटर बनाए गए हैं जिन पर उपस्थिति के हस्ताक्षर प्रवेश पत्र एवं नाश्ता तथा भोजन का कूपन प्रदान किया जाएगा। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में लिखित परीक्षा हेतु आठ कक्षों में बैठक व्यवस्था की गई है तथा अनुभवी शिक्षक गण को पर्यवेक्षण का कार्य सौंपा गया है। वहीं द्वितीय चरण के ऑडियो विजुअल राउंड हेतु विद्यालय के मल्टी एक्टिविटी हाल में व्यवस्था की गई है। परीक्षा कक्ष में परीक्षार्थियों का एवं शिक्षक का मोबाइल पूर्णत: वर्जित रहेगा। प्रतिभागियों को पर्यटन से संबंधित आकर्षक फिल्म भी दिखाई जाएगी तथा सभी प्रतिभागियों को पर्यटन विकास निगम की ओर से सहभागिता का प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा एवं प्रतियोगिता के द्वितीय चरण में चयनित टीमों को प्रमाण पत्र के साथ पर्यटन विकास निगम की ओर से पर्यटन हेतु कूपन भी दिए जाएंगे। यह प्रतियोगिता प्रतिभागियों के ज्ञानवर्धन के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी।

मुल्तानपूरा में गिलैन बैरे सिंड्रोम के संदिग्ध मरीजों की स्वास्थ्य विभाग द्वारा जांच की

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा बताया गया कि विकासखंड मन्दसौर के मुल्तानपूरा में गिलैन बैरे सिंड्रोम (Guillain-Barrμ Syndrome - GBS) से संदिग्ध मरीजों की पहचान की गई है। यह एक गंभीर तंत्रिका रोग है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली अपनी ही नसों पर हमला करती है, जिससे मांसपेशियों में कमजोरी, झुनझुनी या पक्षाघात जैसे लक्षण उत्पन्न हो सकते हैं।

गिलैन बैरे सिंड्रोम के संभावित लक्षण– गिलैन बैरे सिंड्रोम के संभावित लक्षण के अंतर्गत हाथ-पैरों में झुनझुनी या सुन्नपन, मांसपेशियों में तेजी से बढ़ती कमजोरी, चलने-फिरने में असमर्थता, सांस लेने या निगलने में कठिनाई, चेहरे की मांसपेशियों में कमजोरी आदि लक्षण हो सकते है। मुल्तानपूरा में विशेष सर्वे एवं स्क्रीनिंग अभियान प्रारंभ कर दिया गया है। रैपिड रिस्पांस टीम द्वारा प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया गया है एवं आवश्यक नमूनों की जांच की जा रही है। मेडिकल कॉलेज मन्दसौर के विशेषज्ञ चिकित्सकों के सहयोग से मरीजों के उपचार की निगरानी की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आमजन से अपील की गई है कि घबराएं नहीं, समय पर लक्षणों की पहचान एवं उपचार से GBS का इलाज संभव है। अधिक जानकारी हेतु उचक्ख कार्यालय, मन्दसौर या स्वास्थ्य नियंत्रण कक्ष से संपर्क करें।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा नागरिकों से अपील-स्वास्थ्य विभाग द्वारा नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति में लक्षण दिखाई दें तो बिना देर किए निकटतम स्वास्थ्य केंद्र या जिला अस्पताल से संपर्क करें। बच्चों, बुजुर्गों तथा हाल ही में किसी बुखार या वायरल बीमारी से ग्रस्त लोगों में विशेष सतर्कता रखें। किसी भी अफवाह से बचें तथा केवल प्रमाणिक स्रोतों से जानकारी प्राप्त करें। मुल्तानपूरा एवं आसपास के क्षेत्रों के नागरिक सतर्क रहें और लक्षण नजर आने पर स्वास्थ्य टीम को तुरंत सूचित करें।

कन्या महाविद्यालय में प्रेमचंद जयंती मनाई

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद प्रकोष्ठ के तत्वाधान में आयोजित प्रेमचंद जयंती पर अपने उद्बोधन में प्राचार्य डॉ पी.एल. पाटीदार ने बताया कि 19वीं सदी के अंत में प्रेमचंद का जन्म हुआ और आज हम उन्हें याद कर रहे हैं अर्थात उनके लेखन शक्ति कितनी ताकतवर होगी कि तत्कालीन गुलामी के बावजूद उन्होंने समाज को दिशा दी। समाज की सुप्त अवस्था को जागृत करने हेतु उन्होंने उपन्यासों एवं कहानियों की रचना की। हमारे अंदर चिंतन होना चाहिए तो ही हम कार्य करने का जज्बा पैदा कर कर पाएंगे। डॉक्टर पाटीदार ने छात्राओं से कहा कि पुस्तक पढ़ने की आदत निश्चित ही आपके ज्ञान एवं चिंतन को आगे बढ़ाएंगी प्रेमचंद के संपूर्ण जीवन वृत से परिचित कराया। समाज में प्रेमचंद ने आजादी को प्राप्त करने के लिए अपने लेखन के माध्यम से प्रयास किया।

इस अवसर पर डॉ उमा गगरानी प्राध्यापक हिंदी द्वारा कहां गया कि प्रेमचंद को अपनी लेखन शक्ति से ही उपन्यासकार सम्राट के नाम से जाना जाता है। प्रेमचंद केवल प्रेमचंद नहीं है वे एक आदर्श यथार्थ समाज का संपूर्ण योग है। प्रेमचंद चाहते थे कि भारत का प्रत्येक व्यक्ति आर्थिक रूप से इतना संपन्न हो कि उसे जीवन यापन में कठिनाई न हो। प्रेमचंद ने कृषक समाज के प्रति अपनी लेखनी चला कर उन्हें शोषण से मुक्त करने का प्रयास किया। वस्तुत: प्रेमचंद करुणा एवं संवेदनाओं से भरपूर हृदय के मालिक थे इसीलिए उन्होंने होरी जैसे पात्र की रचना की होरी संपूर्ण कृषक समाज का जीता जागता प्रतिनिधि है। प्रेमचंद गबन एवं निर्मला उपन्यासों के माध्यम से विभिन्न सामाजिक रूढ़ियों के प्रति अपनी लेखनी चला कर समाज को जागरूक करते हैं। भाषाओं का अनुवाद हो सकता है किंतु भावनाओं को अनुदित नहीं किया जा सकता। प्रेमचंद भावनाओं के धनी थे इसीलिए वे किसी भी स्तर पर शोषण के खिलाफ थे प्रेमचंद के साहित्य को पढ़ना एक सुखद प्रेरणास्पद अनुभूति है। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राएं एवं संपूर्ण महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। आयोजन का संचालन डॉक्टर अनुराग आर्य ने किया। सभा का आभार डॉक्टर प्रीति मुरडिया द्वारा ज्ञापित किया गया।

जन भागीदारी अध्यक्ष चंदवानी की मेहनत लाई रंग...

शासकीय महाविद्यालय में बीबीए और बीसीए कोर्स को मिली मान्यता

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शासकीय महाविद्यालय, मंदसौर में व्यवसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत बीबीए और बीसीए में प्रवेश पर नियमों की तलवार लटकी थी। शासन के नये नियमों के अंतर्गत इन कोर्सेस के संचालन के लिए मप्र शासन के डिपार्टमेंट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन का एप्रवूल आवश्यक हो गया है। यह एप्रवूल मंदसौर शासकीय महाविद्यालय के पास नहीं था जिसके कारण बीबीए और बीसीए में नये एडमिशन नहीं हो पा रहे थे। इसकी जानकारी लगते ही कॉलेज जनभागीदारी अध्यक्ष नरेश चंदवानी इस कार्य में लगे गये और सबसे पहले एआईसीटीई का पोर्टल खुलवाया ताकि मंदसौर शा. महाविद्यालय का रजिस्ट्रेशन हो सके। कड़ी मेहनत के बाद पोर्टल ओपन हुआ और मंदसौर शा. महाविद्यालय का रजिस्ट्रेशन हुआ और फीस जमा हुई इसके बाद श्री चंदवानी ने इसका एप्रूवल लेने के लिए भोपाल और दिल्ली को एक कर दिया और अंतत: 31 जुलाई गुरूवार को नरेश चंदवानी और कॉलेज के सहयोगी स्टॉफ की मेहनत रंग लाई और कॉलेज को बीबीए और बीसीए कोर्सेस की मान्यता मिल गई और कॉलेज में नये इन कार्सेस में नये प्रवेश हो सकेंगे। जनभागीदारी अध्यक्ष नरेश चंदवानी ने बताया कि यह हमारी एक बडी जीत है, इसमें दोनों सांसद सुधीर गुप्ता और बंशीलाल गुर्जर का विशेष सहयोग हमें प्राप्त हुआ। अब न्यूनतम फीस में छात्रों को व्यवसायिक पाठ्यक्रम में अध्ययन करने की सुविधा पुन: मंदसौर शासकीय महाविद्यालय में मिल सकेगी।

विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस के लिये संत चेतनानंद गिरी जी को आमंत्रण दिया

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आगामी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस में पूज्य संत चेतनानंद गिरी महाराज आमंत्रण दिया गया। जिसे स्वामी जी ने सहर्ष स्वीकार किया। विश्व हिंदू परिषद के स्थापना 1964 में हुई थी यह हिंदुओं का अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि संगठन है तथा समय-समय पर हिंदु मान- बिंदुओं एवं धर्म संस्थानों की रक्षा तथा विकास के लिए संलग्न है। विगत 30 वर्षो सें मंदसौर में विश्व हिंदू परिषद की स्थापना दिवस पर प्रतिवर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर विशाल चल समारोह का आयोजन किया जाता है, जिसमें भगवान कृष्ण एवं धार्मिक पृष्ठभूमि की झांकियां निकाली जाती है तथा अखाड़ों द्वारा शस्त्र संचालन का प्रदर्शन भी किया जाता है। उक्त जानकारी देते हुए विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय अधिकारी श्री गुरुचरण बग्गा एवं मंदसौर नगर अध्यक्ष श्री कन्हैयालाल सोनगरा दी गई। इस मौके पर रूपनारायण जोशी सचिव मेन पुरिया आश्रम ट्रस्ट, शिक्षाविद् रमेशचन्द्र चन्द्रे, सामाजिक कार्यकर्ता अनिल संगवानी आदि कार्यकर्ताओं ने पूज्य संतश्री चौतन्यानंद गिरी जी महाराज को कार्यक्रम में उपस्थित रहने आमंत्रण प्रदान कर निवेदन किया जिसे सहर्ष स्वीकर कर आने की स्वीकृति दी गई।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान की सफलता पर पुलिस कप्तान का किया सम्मान

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद के नेतृत्व में पुलिस विभाग, स्काउट गाइड जिला संघ अन्य सामाजिक संस्थाओं को शपथ दिलाई गई। पुलिस एवं स्काउट गाइड के संयुक्त तत्वाधान में चलाये जा रहे नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत कुशा भाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में नशे से मुक्ति, हैं ज़रूरी के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत मंदसौर जिले में पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद के निर्देशन में नशा मुक्ति पखवाड़ा मनाया गया समापन कार्यक्रम में स्काउट गाइड के बैंड द्वारा पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद को गार्ड ऑफ़ ऑनर देकर मंच तक ले जाया गया। इस अवसर पर सैकड़ों स्काउट गाइड और सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों को एसपी अभिषेक आनन्द ने नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। रैली में भाग लेने वाले स्काउट गाइड ने हाथों में नशा विरोधी स्लोगन वाली तख्तियां लेकर लोगों को जागरूक किया।

रैली का उद्देश्य पुलिस विभाग और स्काउट गाइड के माध्यम से समाज में नशा मुक्ति का संदेश देना और जनमानस को इसके दुष्परिणामों से अवगत कराना रहा। पुलिस विभाग का यह प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।युवा नेतृत्व प्रोजेक्ट के अंतर्गत नशे से दूरी है जरूरी अभियानके तहत स्काउट गाइड ने ली शपथ। सर्वप्रथम स्काउट गाइड के बैंड द्वारा पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद को गार्ड ऑफ़ ऑनर देकर मंच तक ले जाया गया। मंदसौर जिला विश्व में अफीम उत्पादन में सर्वश्रेष्ठ है और यहां अफीम के उत्पादों की तस्करी बहुत ज्यादा होती है इसलिए यहां पर नशा विरोध अभियान ज्यादा महत्वपूर्ण है, जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद ने नशा मुक्ति आंदोलन को मिशन पर के रूप में दिया और जिले में स्काउट गाइड ने पूरी शिद्दत के साथ इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया इस पर जिला संघ के जिला मुख्य आयुक्त अंशुल बैरागी, रोवर्स कमिश्नर एनडी वैष्णव, उपाध्यक्ष एडवोकेट राहुल माली, जिला सचिव सलमा शाह ने स्काउट गाइड की उपस्थिति में सम्मान किया और उनके इस अभियान से प्रेरणा ग्रहण करने का आवाहन किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला स्काउट कमिश्नर सुश्री टेरेसा मिंज,अंशुल भाईबैरागी जिला मुख्य आयुक्त स्काउटगाइडजिला संघ मंदसौर, कार्यक्रम केसंयोजक राहुल माली एडवोकेट, एन डी वैष्णव, सलमा शाह जिला सचिव, मोहम्मद उमर शेख स्काउटगाइड ब्लॉक प्रभारी, मोहनलाल सिंधी अकेला मंदसौर, इस्तखार खान संकुल प्रभारी, अर्चना अटवाल, प्रतिभा भटनागर इत्यादि शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहेाकार्यक्रम का आभार अंशुल बैरागी जिला मुख्य आयुक्त स्काउटगाइड ने माना।

प्रगतिशील लेखक संघ द्वारा गोष्ठी सम्पन्न

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। साहित्य सिर्फ़ दिल बहलाने का ज़रिया नहीं,ये तो एक चोट है जो चुप्पियों को तोड़ती है और मज़लूमों की सदा बन जाती है। हम वो कलमकार हैं जो महज़ फूलों की रंगत नहीं ज़ख्मों की तासीर भी लिखते हैं।

ये उदगार प्रगतिशील लेखक संघ के प्रांतीय सचिव मंडल सदस्य असअद अंसारी ने व्यक्त किए वे ग्राम मोरखेड़ा(कोटेश्वर सामुदायिक भवन)तहसील सीतामऊ में गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे,उन्होंने कहा कि जब समाज को धर्म और जाति के नाम पर बांटा जा रहा हो तो चुप रहना गुनाह है। प्र.ले.सं अध्यक्ष एड.कीर्ति नारायण कश्यप ने कहा कि हमें धार्मिक जातिय लैंगिक भेदभाव के विरुद्ध खड़ा होना होगा,इस प्रकार के भेदभाव किसी भी सभ्य समाज लिए कलंक हैं। प्र.ल.सं.उपाध्यक्ष डॉ.स्वप्निल ओझा ने कहा कि साहित्य को समाज के शोषित वर्गों की आवाज़ बनना चाहिए,साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं है बल्कि समाज का आईना और बदलाव का औजार होना चाहिए।साहित्यकार को दबे कुचलो की आवाज़ बनना चाहिए। गोष्ठी में बोलते हुए एड.एम.यू.अंसारी ने कहा कि हमें सौंदर्य से परे यथार्थवादी साहित्य की रचना करना चाहिए, हमें ऐसा साहित्य चाहिए जो समाज की सच्चाई बयां करे,गरीबी,महंगाई के विरुद्ध खड़ा हो।कोषाध्यक्ष ब्रजेश आर्य ने कहा कि लेखकों को सामाजिक बदलाव की दिशा में सक्रिय होना होगा भेदभाव और अंधविश्वासों के ख़िलाफ़ कलम उठानी होगी। गोष्ठी में पूजा ओझा, हेमलता गुप्ता, शोभा कश्यप,शमीम अंसारी,नर्मदा आर्य, समता बसेर,ईश्वरलाल कुमावत, सोनू गुप्ता, आसिम अंसारी,हेमंत कछावा, रुहीना सिद्दीक़ी ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में अनंत ओझा, आसिफ अंसारी, लक्ष्य आर्य,अर्सलान अय्यूबी आसिफ़ अंसारी, नीहांत ,शोएबा सिद्दीक़ी भी उपस्थित थे। संचालन किया उपाध्यक्ष प्रकाश गुप्ता ने,आभार सचिव दिनेश बसेर ने माना।

सह दस्तक अभियान के अन्तर्गत निरन्तर की जा रही है बच्चों की जांच

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि शासन के निर्देशानुसार22 जुलाई 2025 से जिले में भी "Stop Diarrhoea Campaign" सह दस्तक अभियान आयोजित किया जा रहा है जो 16 सितम्बर 2025 तक चलाया जायेगा। एसआरएस 2021-22 के अनुसार, भारत में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु का 6.8 प्रतिशत कारण डायरिया है। यह आंकड़ा इस बात का स्पष्टसंकेत है कि डायरिया एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। विषय की गंभीरता को देखते हुए अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान साक्ष्य आधारित गतिविधियों पर केन्द्रित है जिसका प्रभाव प्रदेश में बाल मृत्यु दर में कमी के रूप में परिलक्षित हुआ है। अभियान में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत शासन के निर्देशों को भी समाहित किया गया है। इस दौरान इन बच्चों में गंभीर कुपोषण, अनीमिया, निमोनियां, निर्जलीकरण, संक्रमण, की पहचान त्वरित उपचार एवं आवश्यकतानुसार रेफरल के साथ-साथ उन्हें विटामिन ए घोल पिलाना, ओ.आर.एस, पैकेट, जिंक टेबलेट का वितरण सेवा अदायगी की जायेगी।

आश्रय गृह किलकारी में राखी मेकिंग वर्कशॉप आयोजित

नीमच, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में बुधवार को आश्रय गृह नीमच में आश्रयरत बालकों के लिए राखी मेकिंग वर्कशॉप आयोजित की गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अंकिता पंड्या ने बताया, कि प्रशिक्षक सुश्री अंजली पाटोदिया व सुश्री शीतल पाटोदिया ने आश्रयरत बालकों को राखी मेकिंग की बारीकियां सिखाई। बच्चों द्वारा प्रशिक्षक की देखरेख में 100 राखियां तैयार की। तैयार राखियों को स्टॉल के माध्यम से रक्षाबंधन के पूर्व विक्रय किया जावेगा। वर्कशॉप में आश्रय गृह नीमच के प्रभारी अधीक्षक श्री प्रमोद कटारा व लेखापाल श्री मुकेश नागौरा का विशेष सहयोग रहा। बालकों ने उत्साहपूर्वक राखियां तैयार की गई। मांग के आधार पर बालक ओर राखियां भी तैयार करेंगे।

कलेक्टर ने प्रभारी परियोजना अधिकारी गरोठ श्रीमती राय की दो वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकी

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने कदाचरण की दोषी पर्यवेक्षक श्रीमती चन्दा राय को म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 16 के तहत आगामी दो वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने की लघु शास्ति से दंडित किया गया है। प्रभारी परियोजना अधिकारी (मूलपद-पर्यवेक्षक) परियोजना- गरोठ क्र. 02 श्रीमती चन्दा राय के द्वारा श्रीमती सुन्दरबाई से सेवा पृथक्करण कार्यवाही को रोकने के एवज में रिश्वत की मांग की गई।

प्रभारी परियोजना अधिकारी (मूल पद-पर्यवेक्षक, तृतीय श्रेणी) श्रीमती चन्दा राय का उक्त कृत्य म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के उपनियम एक एवं तीन के अनुपालन नहीं करने से कदाचरण की श्रेणी में आता है। प्रभारी परियोजना अधिकारी (मूल पद-पर्यवेक्षक, तृतीय श्रेणी) श्रीमती चन्दा राय का व्यवहार अत्यन्त अशोभनीय एवं शासन की छवि धुमिल करने वाला है। एवं निष्ठा संदिग्ध होना भी प्रमाणित है। इस कारण आगामी दो वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने की लघु शास्ति से दंडित किया गया है।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	45	2151	2280
उड़द	6	3201	4700
सोयाबीन	5410	4030	4735
गैहु	6941	2600	3000
चना	163	5551	6211
मसुर	149	6351	7531
धनिया	112	5700	7321
लहसुन	15500	1852	8652
मैथी	593	3601	5171
मुंगफली	378	4001	4820
अलसी	1435	7390	7768
सरसो	317	6918	7120
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	97	8700	10700
प्याज	6000	500	1115
कलोंजी	10	10500	17500
तुलसी बीज	16	11300	20000
डॉलर	87	8501	10100
तिल्ली	133	4444	9402
जौ	25	2398	2426
मटरसुखी	2	3411	4000
असालीया	93	5601	6492
चियाबीज	22	9500	18200

विमुक्त, घुमंतु, अर्द्धघुमंतु समुदाय की समस्याओं के निवारण के लिए शिविर आयोजित किए जाए-बंजारा

नीमच, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। विमुक्त घुमंतु, अर्द्ध घुमंतु समुदाय की समस्याओं के निराकरण एवं उन्हें विभिन्नं विभागों के माध्यम से संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, स्वरोजगार योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए विकासखण्ड स्तर पर विशेष शिविर आयोजित किए जाए। इस समुदाय के मजरों, टोलों को आबादी क्षेत्र घोषित करने की कार्यवाही की जाए। इस समुदाय के सभी जनजातियों के लोगों विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र बनाने का कार्य भी प्राथमिकता से किया जाए। जिससे, कि उन्हें योजनाओं का लाभ लेने में कोई असुविधा ना हो। यह निर्देश म.प्र. विमुक्त, घुमंतु, अर्द्ध घुमंतु समुदाय विकास अभिकरण के अध्यक्ष श्री बाबूलाल बंजारा ने गुरूवार को नीमच के कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित जिला अधिकारियों की बैठक में विभागीय समीक्षा के दौरान दिए।

बैठक में मालवा प्रांत प्रमुख श्री रविप्रताप बुदेला, श्री जसवंत बंजारा, हीरालाल धनगर सहित घुमंतु, अर्द्ध घुमंतु समुदाय के जनप्रतिनिधि सहित एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, एसडीएम श्री संजीव साहू एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में अध्यक्ष श्री बाबूलाल बंजारा ने बाछड़ा समुदाय के कल्याण के लिए नीमच जिला प्रशासन द्वारा संचालित पंख अभियान नीमच की सराहना की। उन्होने सशक्तवाहिनी योजना के तहत नीमच में पुलिस, पैरामिलीट्री फोर्स, सेना में भर्ती की तैयारी के लिए चलाए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा, कि मनासा एवं जावद विकासखण्डा मुख्यालयों पर पुलिस भर्ती की तैयारी के लिए घुमंतु, अर्द्ध घुमंतु विमुक्त जनजाति के युवाओं को सूचीबद्ध कर नि:शुल्क प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए। जिससे, कि इस समुदाय के युवा समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। बैठक में अध्यक्ष श्री बाबूलाल बंजारा ने विभागवार संचालित योजनाओं में योजनावार घुमंतु, अर्द्ध घुमंतु वर्ग के लाभांवित हितग्राहियों की भागीदारी की समीक्षा की और निर्देश दिए, कि सभी विभागों की योजनाओं में इस समुदाय के पात्र हितग्राहियों की भी अनुपातिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

प्रधानमंत्री कालेज ऑफ़ एक्सीलेंस में प्रेमचंद जयंती मनाई

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डॉ. जे. एस. दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि महाविद्यालय में 31 जुलाई 2025 को हिंदी विभाग द्वारा प्रेमचंद जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। इस अवसर पर प्रेमचंद जी के जीवन एवं रचना पर आधारित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। तत्पश्चात प्रेमचंद जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर हिंदी विभाग के प्राध्यापकों द्वारा विचार व्यक्त किए गए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जे.एस. दुबे ने कहा कि प्रेमचंद जी मानव हृदय के कुशल चितेरे थे। उन्होंने पूंजीपति, किसान वर्ग, स्त्री–पुरुष व प्रत्येक वर्ग का सफल चित्रण किया है। उन्होंने कहा कि लेखन एक साधना है।

हिंदी के विभागाध्यक्ष डॉ. जे. एल. आर्य ने प्रेमचंद जी के बारे में बताया कि प्रेमचंद जी ने अपने आसपास हो रही घटनाओं का यथार्थ वर्णन करते हुए राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक कुरीतियों का जीवंत चित्रण अपनी रचनाओं में किया है। डॉ. सीमा जैन ने प्रेमचंद जी की रचनाओं को कालजयी बताते हुए वर्तमान में उनके साहित्य की प्रासंगिकता पर विचार प्रकट किया। इस अवसर पर समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. भारत सिंह कलेश, श्री वर्दीचंद राठौर एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योति डोसी द्वारा किया गया एवं आभार डॉ. नेहा दीक्षित ने माना।

दफ्तरी प्रक्रिया में लंबित न रहें नागरिकों की समस्याएं-मुख्यमंत्री

प्रभारी प्राचार्य निलंबित, 4 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस, बीमा कम्पनी पर अर्थदण्ड, समस्याओं का तत्परता से निराकरण करने वाले अधिकारियों को दी बधाई

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नागरिकों की ऐसी समस्याएं जो बहुत समय से किसी प्रशासनिक प्रक्रिया के कारण लंबित हैं और उससे हितग्राही अपने अधिकार को प्राप्त करने से वंचित हो रहा हो तो प्रशासन से जुडे प्रत्येक अधिकारी का यह दायित्व है कि उस लंबित कार्य का बिना देर किए समाधान निकालें। सीएम हेल्पलाइन लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए संचालित व्यवस्था है। इस हेल्पलाइन और समाधान ऑनलाइन जैसे कार्यक्रमों तक प्रकरण आने की जरूरत ही नहीं होना चाहिए। जिस स्तर पर समाधान संभव है उस समस्या को उसी स्तर पर हल करने पर पूरा प्रयास किया जाए। यह अधिकारियों का दायित्व भी है और जिम्मेदार प्रशासन का प्रत्यक्ष प्रमाण भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में समाधान ऑनलाइन के माध्यम से विभिन्न जिलों के नागरिकों की लंबित समस्याओं का समाधान कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाधान ऑनलाइन में आए विभिन्न प्रकरणों में लापरवाही के दोषी एक प्रभारी प्राचार्य के निलंबन, 4 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस देने और बीमा कम्पनी पर अर्थदण्ड लगाने के निर्देश दिये।

अनेक समस्याओं का हुआ समाधान– दुग्ध विक्रय पर प्रोत्साहन: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिवनी जिले के पशुपालक श्री कुंदन गिरी गोस्वामी को दुग्ध विक्रय पर प्राप्त होने वाली राशि का भुगतान न होने के प्रकरण में समाधान ऑनलाइन के माध्यम से भुगतान करवाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के माध्यम से प्रदेश में दुग्ध विक्रेताओं को लाभान्वित करने के बारे में जिला स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए। जबलपुर दुग्ध संघ को 6 करोड रुपए की राशि और ग्वालियर दुग्ध संघ को 2 करोड रुपए की राशि प्रदान की गई है। प्रदेश में दुग्ध के विक्रय पर 2 से लेकर 6 रुपए तक बोनस देने और नई सहकारी समितियों के गठन की पहल हुई है। दुग्ध संकलन में वृद्धि हुई है। प्रदेश में जहां 934 नई दुग्ध संग्रहण समितियां बनी हैं, वहां लगभग 25 हजार दुधारू पशु भी बढे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स को जिलों में शिविर लगाकर दुग्ध उत्पादन बढाने, गौवंश के संरक्षण और सांची ब्रांड को अधिक लोकप्रिय बनाने के प्रयास करने को कहा। स्वरोजगार योजना की सब्सिडी मिली: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन के उद्यमी श्री पीयुष काबरा को मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना में प्राप्त ऋण की सब्सिडी प्राप्त न होने के प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए दोषी कर्मचारी को दंडित करने के निर्देश दिए। इस प्रकरण में आवेदक श्री काबरा को राशि प्राप्त हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वरोजगार योजना और अन्य योजनाओं में हितग्राहियों को समय-सीमा में लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

विद्यार्थियों को समय पर मिले डिग्री– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर निवासी डॉ. शरद कुमार शर्मा के मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर से डिग्री प्राप्त न होने की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए समस्त विश्वविद्यालयों द्वारा दीक्षांत समारोह आयोजित कर विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विभिन्न पाठ्यक्रमों के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को समय पर उपाधि प्राप्त हो जाए इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग और चिकित्सा शिक्षा अपने स्तर पर कार्यवाही सुनिश्चित करें।

बीमा कंपनी पर अर्थ दण्ड– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शाजापुर जिले के श्री प्रेमसिंह जादौन को बीमा राशि का भुगतान करवाया। इस प्रकरण में बीमा कम्पनी ने फसल बीमा दावे के भुगतान में विलंब किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संबंधित बीमा कम्पनी पर अर्थदण्ड रोपित करने के भी निर्देश दिए।

प्राचार्य निलंबित– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विदिशा जिले के छात्र श्री सुमित साहू को छात्रवृत्ति राशि का भुगतान करवाया। इस प्रकरण में संबंधित प्रभारी प्राचार्य को निलंबित किया गया है। समाधान ऑनलाइन में प्रधानमंत्री आवास योजना में हितग्राही को दूसरी और तीसरी किश्त का भुगतान न किए जाने पर तत्कालीन एवं वर्तमान मुख्य नगरपालिका अधिकारी खरगौन को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गये। मुख्यमंत्री की पहल पर आवेदक श्री महेश राठौर को योजना की राशि प्राप्त हुई। समाधान ऑनलाइन में प्रकरण आने के बाद रीवा जिले के आवेदक श्री मनीष तिवारी के नलजल योजना से पानी न मिलने के आवेदन पर समाधान की कार्यवाही की गई। समाधान की कार्यवाही करते हुए जल निगम रीवा ने क्षतिग्रस्त पाइप लाइन को दुरुस्त कर जल प्रदाय सुनिश्चित किया गया। हरदा जिले के श्री मिथुन वर्मा द्वारा मुख्यमंत्री आर्थिक कल्याण योजना में अनुदान न मिलने की शिकायत की गई थी। समाधान ऑनलाइन में प्रकरण आने पर हितग्राही को जिला पंचायत ने राशि का भुगतान कर दिया है। इस प्रकरण में जिला परियोजना प्रबंधक मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं मुख्य प्रबंधक अग्रणी बैंक हरदा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

ये जिले और विभाग रहे अव्वल– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में जन समस्याएं तत्परता से हल करने वाले जिलों, शासकीय विभागों और अधिकारियों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जानकारी दी गई कि प्रदेश में आमजन की समस्याओं को हल करने में गुना जिला अव्वल है। प्रथम आठ जिलों में गुना, सिंगरौली, रायसेन, कटनी, सीहोर, शाजापुर, अलीराजपुर और अनूपपुर शामिल हैं। जिन विभागों ने सीएम हेल्पलाइन में आने वाली शिकायतों को प्राथमिकता से हल करने का कार्य किया है उनमें ऊर्जा, नगरीय विकास एवं आवास, खाद्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और गृह विभाग शामिल हैं। जहां ऊर्जा विभाग ने 91 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण किया वहीं नगरीय विकास, खाद्य, पंचायत और गृह विभाग ने 88 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण करने में सफलता प्राप्त की है।

पीएसयू द्वारा राज्य स्तरीय खेल का विकास को लेकर सांसद गुप्ता ने लोकसभा में किया प्रश्न

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सरकार राज्य स्तरीय खेलों के विशेषकर महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और झारखंड में, विकास में सहायता करने में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) को शामिल करने की योजना बना रही है। इसको लेकर सांसद गुप्ता ने लोकसभा में प्रश्न किया। सांसद गुप्ता ने कहा कि खेल अवसंरचना और प्रतिभा विकास को बढ़ाने में पीएसयू प्रभावी रूप से योगदान दें इसके लिए सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। इसी के साथ ही सरकार ने युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए स्थानीय स्तर पर कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) प्रदान करने हेतु कोई योजना बनाई है या बनाने का प्रस्ताव है ताकि वैश्विक स्तर पर खेल प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया जा सके और पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान खेल विकास के लिए राज्यवार और खेल-वार कुल कितनी सीएसआर निधि का उपयोग किया गया और उसके अंतर्गत कौन-कौन सी प्रमुख परियोजनाएं क्रियान्वित की गई। उन्होने कहा कि 2047 तक भारत के शीर्ष पाँच वैश्विक खेल प्रदर्शनकर्ताओं में स्थान बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में पीएसयू सहित कॉर्पोरेट योगदान के प्रभाव का आकलन करने और ग्रामीण क्षेत्रों और कम प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों में खेलों में कॉर्पोरेट भागीदारी को बढ़ावा देने के लाभपहुंचाने के लिए किस प्रकार से तैयार किया जाएगा।

प्रश्न के जवाब में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने बताया कि राज्य का विषय होने के कारण, देश में खेलों के संवर्धन और विकास का उत्तरदायित्व मुख्य रूप से संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों का है। केंद्र सरकार राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ) सहित देश भर में विभिन्न खेल संवर्धन स्कीमें चलाकर उनके प्रयासों में सहायता करती है। इसके अतिरिक्त, कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधि का उपयोग अवसंरचना के विकास के माध्यम से खेलों के संवर्धन हेतु भी किया जाता है। सरकार ने कारपोरेट क्षेत्र को विशिष्टखेल और प्रशिक्षण केंद्रों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु कई पहल की हैं। एनएसडीएफ एक मांग संचालित स्कीम है और यह देश भर में खेलों के संवर्धन के लिए टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस) के वित्तपोषण सहित अवसंरचना के विकास, प्रशिक्षण और अन्य गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा, सरकार नियमित रूप से कारपोरेट और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के साथ बातचीत कर रही है और उनसे एनएसडीएफ में अंशदान करने तथा युवाओं के बीच खेलों को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय भागीदार बनने का अनुरोध कर रही है। इन अंशदानों का उद्देश्य ग्रामीण खेलों, राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त खेलों, पैरालंपिक खेलों और ओलंपिक खेलों सहित विभिन्न स्तरों पर खेलों को बढ़ावा देना है। परिणामस्वरूप, कई कारपोरेट संगठन सीएसआर वित्तपोषण के माध्यम से देश में खेल विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके एनएसडीएफ के साथ मिलकर काम करने के लिए आगे आए हैं। एनएसडीएफ में प्राप्त सीएसआर निधि खिलाड़ियों/फाउंडेशनों/अकादमियों आदि को सहायता के रूप में और खेल अवसंरचना के विकास के लिए दी जाती है, इसलिए इसके प्रभाव का आकलन करने के लिए कोई विशिष्ट प्रदर्शन इंडिकेटर या मैट्रिक्स नहीं हैं।

जिला प्रशासन ने अनुपयोगी हो चुके स्कूल भवनों कों डिस्टमेंटर करने की अनुमति जारी की....

मनासा क्षेत्र में 76 भवनों की सूची भेजी, जल्द होगी कार्रवाई

मनासा, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। राजस्थान के झालावाड जिले में जर्जर हो चुके सरकारी स्कूल बिल्डिंग गिरने से 7 बच्चों की मौत के बाद जिला प्रशासन ने मनासा क्षेत्र में जो स्कूल भवन अनुउपयोगी हो चुके है ऐसे भवनो को डिस्टमेंटल करने की अनुमति जारी की है। कलेक्टर ने ऐसे 12 स्कूल भवनो को डिस्मेंटल करने के निर्देश दिए है। मनासा क्षेत्र में एसडीएम पवन बारिया ने जर्जर और खस्ताहाल हो चुके है ऐसे 76 भवनों की सूची कलेक्टर को भेजी थी। अब जल्द ही जर्जर हो चुके भवन को डिस्मेंटल की कार्रवाई पीडब्लयुडी और स्थानीय निकाय द्वारा की जाएंगी।

झालावाड में स्कूल भवन गिरने की घटना को लेकर कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने प्राथमिकता के आधार पर मनासा क्षेत्र के स्कूल भवन जो गिरने की स्थिति में थे उन्हे डिस्मेंटल करने के निर्देश दिए है। जर्जर और खस्ताहाल भवनों को लेकर जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधी आर. सागर कछावा ने रामपुरा क्षेत्र के स्कूलों में जाकर स्कूल बिल्डिंग का निरीक्षण कर प्रशासन को उन्हे डिस्टमेंटल करने के लिए पत्र लिखा था। जिस पर प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए भवनो को को गिराने की कार्रवाई करते हुए यह अनुमति जारी की है। अब पीडब्ल्युडी विभाग भवनों को नियमानुसार डिस्मेंटल करने की कार्रवाई करेगा। विभाग डिस्मेंटल की लागत और सामग्री नीलामी की राशि सबंधित पंचायत या निकाय ष्शासन के खाते में जमा करवाएं। जिन भवनों को डिस्मेंटल करने की अनुमति जारी की गई है उनमे मा.वि. सालरमाला प्रा.वि. ढोढर का किचन शेड, प्रा.वि. नई ननौर का अतिरिक्त कक्ष, प्रा.वि. फोफलिया अतिरिक्त कक्ष एव शौचालय, मा.वि. फोफलिया का शोचालय एंव किचन शेड, मा.वि. कडी खुर्द का भवन एंव किचन शेड, मा.वि. पिपलियारावजी के दो कक्ष एंव किचनशेड, मा.वि. दुधलई का किचनशेड, प्रा.वि. बत्तीसडा पुराना भवन, मा.वि. भाटखेडी खुर्द का का किचनशेड एक कमरा और शौचालय एंव मा.वि. दुधिखेडा का भवन एंव किचनशेड के डिस्मेंटल करने की अनुमति जारी की गई है। प्रशासन द्वारा जारी की गई अनुमति को लेकर जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधी आर. सागर कछावा ने कहा कि प्रशासने जो भवन गिरने की स्थिति में थे उन्हे डिस्मेंटल करने का निर्णय अच्छा है। लेकिन जहां पर भवन क्षतिग्रस्त हो चुके है और बैठने की अन्य व्यवस्था नही है वहां पर प्रशासन क्या नए भवन की व्यवस्था करेगा। इसको लेकर कलेक्टर को ऐसे स्कूल चिन्हित कर वहां पर वैकल्पिक भवनों की व्यवस्था करे। एसडीएम पवन बारिया ने बताया कि हमेन 76 भवनों की सूची भेजी थी। पहले चरण में कलेक्टर द्वारा जो अनुउपयोगी भवन थे उन्हे प्राथमिकता केआधार पर डिस्मेंटल करने की अनुमति कलेक्टर द्वारा जारी की गई।

अनेक नर्सिंग कॉलेजों की नहीं हुई मान्यता नवीनीकरण...

हजारों विद्यार्थियों का भविष्य दांव पर

भोपाल/मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में नर्सिंग शिक्षा का नया सत्र बड़ी दुविधा के साथ शुरू होने जा रहा है। कई नर्सिंग कॉलेज अब तक मध्यप्रदेश नर्सेज रजिस्ट्रेशन काउंसिल से मान्यता नहीं ले पाए हैं, जिससे छात्रों के एडमिशन पर संकट मंडरा रहा है। नर्सिंग में दाखिले की पात्रता परीक्षा का परिणाम घोषित हो चुका है। लेकिन, मान्यता प्रक्रिया पूरी न होने से हजारों विद्यार्थी असमंजस में हैं। कॉलेज प्रबंधन से लेकर छात्र-छात्राएं तक सभी परेशान हैं कि आखिर कब तक प्रवेश की प्रक्रिया शुरू होगी।

इसलिये नहीं मिली मान्यता...?–हर साल नर्सिंग कॉलेजों को अपनी मान्यता का नवीनीकरण कराना होता है। यह प्रक्रिया सामान्यत: 14 जुलाई तक पूरी हो जाती है, जिसके बाद नए शिक्षा सत्र के लिए एडमिशन शुरू होते हैं। लेकिन, इस बार नर्सिंग काउंसिल की धीमी कार्यप्रणाली और निरीक्षण रिपोर्टों की देरी के कारण मान्यता प्रक्रिया अब तक लंबित है। नतीजतन, जुलाई के अंत तक पहुंचने के बावजूद कॉलेजों को न ही मान्यता मिली है और न ही उन्हें नए छात्रों को प्रवेश देने की अनुमति।

विद्यार्थियों की चिंता बढ़ी–हाल ही में मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा प्री-नर्सिंग सिलेक्शन टेस्ट का परिणाम जारी किया गया है। इस परीक्षा में 60 हजार 707 उम्मीदवार शामिल हुए थे, जिनमें से 17 हजार 450 अभ्यर्थी सफल हुए हैं। प्रदेश में बीएससी नर्सिंग की करीब 20 हजार सीटें हैं। लेकिन, अगर मान्यता प्रक्रिया में और देरी हुई, तो छात्रों को इन सीटों पर प्रवेश नहीं मिल पाएगा। इससे हजारों छात्रों का भविष्य अधर में लटक सकता है।

नर्सिंग काउंसिल का कहना...

मध्य प्रदेश नर्सेज रजिस्ट्रेशन काउंसिल के चेयरमैन मनोज कुमार सरियाम ने कहा कई जिलों से निरीक्षण की रिपोर्ट अभी आनी बाकी है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही मान्यता दी जाएगी। हमारी कोशिश है कि विद्यार्थियों को किसी तरह की परेशानी न हो।

सेवानिवृत्ति कर्मचारी के जीवन का महत्वपूर्ण क्षण-श्रीमती गुर्जर

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शासकीय सेवा में आना और निश्चित समय के बाद सेवानिवृत्त हो जाना ये दोनों कर्मचारी के जीवन के महत्वपूर्ण क्षण होते है। सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारी समाज व परिवार को अधिक समय देकर समाजहित व परिवारहित में सराहनीय कार्य कर सकते है। आवश्यकता केवल अपनी शक्ति और सामर्थ्य को पहचानने की है।

उक्त विचार नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने नपा सभागृह में आयोजित नगरपालिका के 7 कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति के अवसर पर कहे। आपने कहा कि जो कर्मचारी आज सेवानिवृत्त हो रहे है वे नपा परिवार का अंग रहे है उकनी सेवानिवृत्ति के बाद उनकी कमी संस्था को अवश्य ही खलेगी लेकिन हमें आने वाले समय में कमी को नहीं बल्कि सकारात्मकता पर ध्यान देना होगा। सेवानिवृत्त कर्मचारी जो घर परिवार को समाज को शासकीय सेवा के कारण समय नहीं दे पाते थे वे अब समाजहित में और अधिक कार्य करने के लिये प्रेरित होंगे। नपा उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता चावला ने कहा कि जनप्रतिनिधि व नपा कर्मचारी दोनों ही मिलकर नपा परिवार कहलाता है। जनप्रतिनिधियों व कर्मचारियों के बीच जो सम्बन्ध है वह अटूट व विश्वसनीय है। जब भी जनप्रतिनिधि कोई कार्य कर्मचारियों को बताते है तो भले ही कार्य में देरी हो जाये लेकिन कार्य अवश्य पूर्ण होता है जो कर्मचारी जिस कर्तव्य एवं सेवा भाव से अभी तक कार्य करते रहे है वे सार्वजनिक जीवन में भी कर्तव्य निभाते हुए कार्य करेंगे तो समाज व राष्ट्र का हित होगा। नपा नेता प्रतिपक्ष श्रीमती रफत पयामी ने कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है जो भी शासकीय सेवा में आता है वह सेवानिवृत्त होता ही है। कर्मचारियों ने जो अमूल्य समय व परिश्रम नपा को दिया है उसके लिये सभी बधाई के पात्र है। नपा जलकार्य समिति सभापति निलेश जैन ने कहा क जलकार्य शाखा में इन सेवानिवृत्त कर्मचारियों की कमी अवश्य खलेगी हम आगामी समय में जलप्रदाय व्यवस्था के लिये सजगता से लगे हुए है। कार्यक्रम में नपा सभापति सत्यनारायण भांभी, पार्षदगण सुनीता भावसार, आशीष गौड, गरिमा भाटी, राजेश सोनी ऐरावाला, प्रतिभा विक्रम भैरवे, शैलेन्द्रगिरी गोस्वामी, राजेश गुर्जर, बब्बू पमनानी भी उपस्थित थे। इन सभी के द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे सभी 7 कर्मचारियों को माला पहनाकर व बुके भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में नपा कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों व सदस्यों ने बुके भेंटकर स्वागत किया। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमी चावला ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को शाल श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। कार्यक्रम में नपा कर्मचारीगण, सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों के परिवारजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन चन्द्रशेखर नागदा ने किया।

इन कर्मचारियों की हुई सेवानिवृत्ति– 31 जुलाई को नपा उपयंत्री महेश शर्मा, नपा कर्मचारीगण निसार मोहम्मद, महावीरगिरी गोस्वामी, कांताबाई, दिनेश नवले की सेवानिवृत्ति हुई। गत माह बद्रीलाल भावसार, प्रेम परमार की भी सेवानिवृत्ति हुई थी। नपा कर्मचारी संघ द्वारा सभी 7 कर्मचारियों की सामूहिक सेवानिवृत्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नपा उपयंत्री महेश शर्मा, नपा कर्मचारी महावीर गिरी, निसार मोहम्मद ने भी अपने जीवन के अनुभव कार्यक्रम में साझा किये।

सूचना का अधिकार 2005 अधिनियम पर मास्टर ट्रेनर ने लोक सूचना अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। ई दक्ष प्रबंधक द्वारा बताया गया कि कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग भारत सरकार द्वारा आयोजित आर.सी.वी.पी नरोन्हा प्रशासनिक अकादमी भोपाल के मार्गदर्शन में ई दक्ष केंद्र मंदसौर में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें जिले के विभिन्न कार्यालय से लोक सूचना अधिकारी, सहायक लोक सूचना अधिकारी एवं शाखा प्रभारी को मास्टर ट्रेनर श्री सत्येंद्र राठौर द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के उद्देश्य पृष्ठभूमि तथा प्रावधानों से अवगत कराया गया।

प्रशिक्षण में मुख्य रूप से लोक सूचना अधिकारी को सूचना प्रदान करने के संबंध में उनकी भूमिका, बाध्यता, छूट, अपील तथा पेनल्टी आदि के बारे में बताया गया। अधिनियम लागू होने के बाद हुए सभी संशोधन एवं प्रशिक्षणार्थियों के प्रश्नों का निराकरण एवं उपाय बताए गए। अधिकारियों को अधिनियम के अधीन बनाए गए नियमों को सुचारू पालन करने के लिए कार्यालय में रिकॉर्ड प्रबंधन का महत्व एवं उपाय बताए गए। मास्टर ट्रेनर श्री सत्येंद्र राठौर ने प्रशिक्षण के दौरान नवीन ई सर्विस पोर्टल के माध्यम से आरटीआईके ऑनलाइन आवेदनों को किस प्रकार निराकरण किया जाएगा उसके बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

डोडाचूरा तस्कर को दस साल... पेज 1 से जारी

क्रमांक एमपी 14-सीबी-1800 को रोककर तलाशी ली गई। कार में चालक की सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपना नाम राहुल एवं उसके पास बैठे व्यक्ति ने अपना नाम हीरासिंह बताया। वाहन की तलाशी लेने पर एक बोरे में 168 किलोग्राम डोडाचूरा होना पाया गया।

मामले में आरोपियों को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया। अनुसंधान उपरांत आरोपियो के विरूद्व संबंधित न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया। जिसमें न्यायालय ने आरोपी को 10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 01 लाख रूपये के अर्थदंड से दंडित किया गया। अर्थदंड की राशि अदा ना करने पर एक-एक वर्ष का अतिरिक्त व्यतिक्रम के कारावास से दंडित किये जाने का आदेश दिया गया। शासन की ओर से प्रकरण का संचालन बीएस ठाकुर विशेष लोक अभियोजक (उपनिदेशक अभियोजन) द्वारा किया गया।

रेप का आरोपी भाजपा नेता... पेज 1 से जारी

से तलाक ले लिया। इसके बाद हम दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगे। पीड़िता के बताया कि 01 जनवरी 2025 को हम दोनों इंदौर के एक होटल में रुके। वहां मुकेश ने शादी का भरोसा दिलाकर मुझसे शारीरिक संबंध बनाए। कई बार संबंध बनाने के बाद 10 जून को जब मैंने मुकेश से शादी की बात की तो उसने इनकार कर दिया। मुझे धमकी दी कि यदि शादी की जिद करूंगी तो मेरी तस्वीरें और वीडियो वायरल कर देगा। 12 जून को मुकेश मेरे घर आया। वहां भाई साहिल ने शादी की बात उठाई तो मुकेश साहिल से झगड़ा कर भाग गया। मैंने अपनी सहेली को पूरी बात बताई। इसके बाद भंवरकुआं थाने में शिकायत दर्ज कराई।

बुजुर्गों व बच्चों को राहत, ई केवाईसी नहीं हुई तो सत्यापन के बाद जारी करेंगे पर्ची

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। बच्चो व बुजुर्गों कोमिलने वाले राशन में अब ई केवाईसी न होने पर भी परेशानी नहीं होगी। राज्य शासन ने 05 साल तक के बच्चे व 80 साल से ऊपर के बुजुर्गों कीं भी राशन पर्ची जारी करने के निर्देश दिए हैं। लेकिन, राशन पर्ची जारी करने से पहले हितग्राही का सत्यापन करना होगा कि उसका अंगूठा नहीं लग रहा है। इस रिपोर्ट के बाद ही राशन मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि आधार से ई केवाईसी नहीं होने की वजह से इनका राशन बंद हो गया था। इस कारण शिकायतें बढ गई थी। सीएम हेल्पलाइन व जनसुनवाई में भी शिकायतें कर रहे थे। दरअसल खाद्य, नागरिक आपूर्ति विभाग ने स्मार्ट पीडीएस सिस्टम लागू करने के लिए हितग्राही की आधार से ई केवाईसी करने का आदेश दिया। दुकान व शिविर लगाकर हितग्राही का सत्यापन किया गया। अलग-अलग श्रेणी में हितग्राही का सत्यापन हुआ। 93 फीसदी सत्यापन होने पर हजारों हितग्राही बाहर हो गए। लेकिन, 45 हजार बच्चे व 12 हजार बुजुर्गों का राशन रुक गया था। क्योंकि, आधार में इनके फिंगर नहीं थे। इसके चलते सत्यापन नहीं हुआ। जून के राशन वितरण में इनका राशन रुक गया। राशन रुकने पर लोगों की शिकायत बढ गई थी। इसके चलते विभाग ने राज्य शासन से अभिमत मांगा। पूरी परेशानी से अवगत भी कराया। इसके बाद शासन ने राशन पर्ची जारी करने के निर्देश दिए हैं।

94 फीसदी लोगों ने लिया अपना राशन–इस बार तीन महीने का राशन एक साथ दिया गया है। 94 फीसदी उपभोक्ता राशन ले चुके हैं। 31 अगस्त तक का राशन मिल चुका है। नया आवंटन सितंबर में आएगा। बता दे कि राशन दुकान पर परिवार के मुखिया का अंगूठा लगने के बाद सभी सदस्यों का राशन मिल जाता है। हर सदस्य को दुकान पर अंगूठा लगाने के लिए नहीं आना पड़ता है। एक व्यक्ति को दो किलो गेहूं, तीन किलो चावल दिया जा रहा है। जन्म से ही बच्चा राशन का हकदार हो जाता है। क्योंकि, उसका नाम परिवार में जुड़ जाता है।

डाबी ने मन से मंदसौर वेबसाइड के माध्यम से भलाई की सप्लाई संस्था शुरू की

अनाथों, बुजुर्गों और गरीब बच्चों के लिए मदद का जज्बा जगाया, जन सहयोग से भलाई की सप्लाई संस्थान चलाकर बदल दी अनाथों की जिंदगी

मंदसौर, 31 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर, शामगढ़ के निवासी श्री विशाल डाबी द्वारा जिला स्तरीय प्रयोजन मन से मंदसौर वेबसाइड के माध्यम से भलाई की सप्लाई नाम की एक संस्था का संचालन किया है। अनाथों और गरीबों की मदद का सिलसिला शुरू किया है। इसको भलाई की सप्लाई नाम दिया गया है। इस संस्थान के माध्यम से अनाथों, बुजुर्गों औंर गरीब बचों के लिए मदद करते है। कल तक जो बच्चे अनाथ और गरीब होने से सड़कों पर भीख मांगते थे, वही बच्चे आज स्कूल जा रहे हैं। बेसहारा बुजुर्गों कों अब रात को भूखा नही सोना पड़ता। इसकी वजह है भलाई की सप्लाई जो इनका सहारा बन चुकी है।

'भलाई की सप्लाई' की शुरूआत–ट्रेन कि यात्रा के दौरान हुई, यात्रा के दौरान एक दिव्यांग व्यक्ति से मुलाकात हुई, जो कि सर्दी से कांप रहा था। उसकी हालत देख श्री विशाल ने अपनी जैकेट उतार कर पहना दी। इसके बाद ही मदद का जज्बा और मजबूत हो गया और भलाई की सप्लाई की नींव की शुरुआत हुई।

बन चुके हैं कई ग्रुप–भलाई की सप्लाई करने वाले सेल्फी लेते हैं और आपस में शेयर करते हैं, जिससे दूसरों को भी प्रेरणा मिलती है। इसी से शामगढ़ के बाद मंदसौर में दो ग्रुप बन चुके हैं। इसी कड़ी में अब नीमच, रतलाम से होते राजस्थान के प्रतापगढ तक में भलाई की सप्लाई का आगाज हो चुका है।

करते हैं बर्थ सेलीब्रेशन–ऐसे बच्चे जो अनाथ और बेसहारा है, उनके बर्थ डे पर साथियों के साथ रेस्टोरेंट ले जा कर केक काटने के साथ ही जश्न मनाया जाता है और रेस्टोरेंट में ही खाना खिलाया जाता है।

नए-नए ग्रुप बन रहे–अब तो मंदसौर में ही दो ग्रुप बन गए हैं, जो कि भलाई की सप्लाई कर रहे हैं। इसी तरह नीमच, रतलाम के अलावा प्रतापगढ़ (राजस्थान) तक से फोन आए है, जो ऐसे ही ग्रुप बना रहे हैं।

शामगढ एवं सुवासरा में करते है मेडिकल का संचालन–आज शामगढ़ के साथ-साथ मेडिकल का सुवासरा, गरोठ, आलोट, मंदसौर तक ग्रुप बन चुके हैं और सेवा संचालित कर रहे हैं। शामगढ़ के साथ सुवासरा में भी शासकीय भवन मेडिकल उपकरण हेतु प्रदान किया गया है, जो की शासकीय अस्पताल में है। शुरुआत में इन्होंने पक्षियों के लिए जल पात्र वितरण, गायों के लिए पानी की टंकियां, गली-गली मोहल्ले मोहल्ले में रखवा, ठंड में लोगों को कंबल बांटना, बच्चों को स्वेटर बांटना, स्कूली बच्चों को स्कूल बैग, पाठ्य सामग्री बांटना का प्रयास किया। उसके बाद इस काम में जनता का सहयोग मिलने लगा। कोविड से पहले भलाई की सप्लाई के द्वारा निशुल्क कोचिंग भी चलाई जाती थी। जिसमें की 90 बच्चों को पढ़ाया जाता था। बाढ़ के समय भी जन सहयोग से कार्य किया। प्रति वर्ष तीन ट्राईसाईकिल दिव्यांग व्यक्तियों को जन सहयोग से प्रदान करते हैं, 10 लाख से ज्यादा के मेडिकल उपकरण जन सहयोग से एकत्रित किए। जिनका लाभ जनता को मिल रहा है। इसी के साथ-साथ नगर परिषद के साथ जुड़कर स्वच्छ भारत के अंतर्गत डस्टबिन वितरण किया।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर (म.प्र.)

क्रमांक/1229/खनिज/2025 E-Mail-modgmman@mp.gov.in मंदसौर, दिनांक-29.07.2025

******* सूचना *******

(म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-क)

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक सिसोदिया इंटरप्राईजेस, जुनापानी पावटी, तहसील गरोठ, जिला मंदसौर द्वारा म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18-क के तहत उत्खनिपट्टा नवकरण प्राप्त करने हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 17.07.2025 को प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत आवेदन पत्र का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है-

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/अन्य भूमि स्वामी की सहमति प्राप्त	खनिज कानाम	रिमार्क
मंदसौर	गरोठ	जूनापानी पावटी	479	2.000 हे.	शासकीय	गिट्टी एवं एम. सेण्ड (क्रेशर आधारित)	---

उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो अथवा इस संबंध में कोई अन्य दावा प्रस्तुत करना चाहता हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिवस के भीतर कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा, जिला मंदसौर में आपत्ति का लेख/कारण दर्शाते हुए लिखित रूप से प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि के उपरान्त प्रस्तुत किसी भी आपत्ति/दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

G-16531/25 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।
फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in